सूरज सुजान

सूरजमल स्मारक शिक्षा-संस्था (रजि.) नई दिल्ली द्वारा स्थापित

सम्पादक : **जयपाल विद्यालंकार**, महाराजा सूरजमल संस्थान, सी-4, जनकपुरी, नई दिल्ली-58
फोन 011-25552667, 25528117, फैक्स 011-25528116, ईमेल: surajsujan@gmail.com
वेबसाइट - http://www.surajmalmemorialeducationsociety.org

मासिक पत्रिका वर्ष 44 अंक 07 मई 2021

डॉ.एस.एस.राणा,पूर्व उपाध्यक्ष सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था

(02–04–1936 – 12–04–2021)

अमलतास – झुलसाती लूओं में
सुनहरा खिलाव

पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के अपने विचार है। प्रकाशक, मुद्रक, संपादक का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं।

सम्पादकीय

नहीं रहे डॉ. सूबे सिंह राणा

जयपाल विद्यालंकार 9810256995

व्यक्ति की प्रतिभा तब लोगों के सामने आती है जब वह अपने अभीष्ट क्षेत्र मैं कार्य करता है। डॉ. राणा की प्रशासनिक प्रतिभा तब सामने आई जब उन्होंने शिवाजी कॉलेज में प्रिंसिपल का पदभार संभाला। इसके बाद प्रतिभा का निरंतर विकास होता रहा और उसी का परिणाम था कि जब रामजस कॉलेज में कुछ समस्याएं आईं तो शिवाजी कॉलेज के अतिरिक्त रामजस कॉलेज का भार भी डॉ. राणा को सौंपा गया। उस समय वे वहां ओएसडी के तौर पर काम करते थे। सवेरे शिवाजी कॉलेज जाते और अपराह्न में रामजस कॉलेज जाते थे। उनकी प्रशासनिक प्रतिभा में निरंतर निखार आता रहा। विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग के मदनमोहन सेवानिवृत्त हो गए थे। उस समय विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग का पूरा कार्यभार डॉ. राणा ने बहुत बेहतरीन तरीके से संभाला। प्रशासनिक क्षमता के कारण ही यूनिवर्सिटी ने डीन ऑफ कॉलेज के पद का कार्यभार उन्हें सौंपा। डीन ऑफ कॉलेज कार्यालय को एक सशक्त कार्यक्षम कार्यालय का रूप डॉ. राणा ने ही दिया। डॉ. सरूप सिंह वाइस चांसलर थे और हंसराज कॉलेज से प्रिंसिपल शांति नारायण रिटायर हो गए थे। उसी समय इस पद का निर्माण हुआ। मुझे याद आता है कि वाइस चांसलर के ऑफिस के सामने बरामदे के एक किनारे पर काम चलाऊ से ऑफिस में शांति नारायण जी बैठते थे। वस्तुतः इसे एक पूर्णकालिक ऑफिस का रूप डॉ. राणा ने ही दिया। इस से पहले डीन साहब कभी–कभी ही ऑफिस में आया करते थे। डॉ. राणा ने इसे बहुत विस्तार दिया। नेता विद्यार्थी हों, डूटा के कर्मठ कार्यकर्ता हों या कॉलेज के प्राध्यापक हों सब की सुन कर व्यावहारिक समाधान निकालने का काम डॉ. राणा बखूबी करते थे। उनका ऑफिस सबके लिए खुला होता था। बात भी समान स्तर पर होती थी। वस्तुतः शिक्षण संस्थाएं यदि दुर्भाग्य से वह टीचिंग शॉप न बन गई हो तो वहां पुलसिया दण्डे से काम नहीं होता। दण्डाधिकारी और जी–हुजूरी कर्मचारी अपने पैर पर तो कुल्हाड़ी मारते ही हैं संस्था को भविष्य की पीढ़ी के लिए भी अपंग कर जाते हैं। शिक्षण संस्था में कार्यपद्धति शासकीय न होकर स्वतः कार्य करने की होती है। मैंने 42 वर्ष तक कॉलेज में काम किया नौकरी एक दिन भी नहीं की। काम भी अपना था इस में किसी की दखलंदाजी बिलकुल नहीं थी। अध्ययन–अध्यापन और विद्यार्थी इसके अतिरिक्त जो कुछ था वह इस कार्य–निष्पादन की सुविधा के लिए अधिकारी वर्ग का था। शिक्षणालय में अधिकारी वर्ग का बस यही दायित्व होता है। दुर्भाग्य से आज शिक्षा–व्यवस्था से यह मनोवृत्ति ही गायब है। मेरे विचार से डॉ. राणा की कुशल प्रशासनिक योग्यता का यही कारण था। यह सहज था स्वाभाविक था। इसी कारण डॉ. राणा प्रशासन के हर क्षेत्र में कामयाब रहे।

डॉ. राणा पर डॉक्टर सरूप सिंह का वरद हस्त रहा। शिवाजी कॉलेज में तुलसीराम जी और उनके बाद डॉ. राणा की नियुक्ति डॉक्टर सरूप सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के कल्याण को ध्यान में रखकर की। बाद में डॉक्टर राणा जब दिल्ली विश्वविद्यालय में डीन ऑफ कॉलेज बने तो ग्रामीण यानी कृषिजीवी वे लोग जो कृषिकर्म से ही अपनी आजीविका चलाते हैं, समाज के युवकों को ध्यान में रखकर कैर गांव के पास भगिनी निवेदिता महाविद्यालय और बवाना में अदिति महाविद्यालय की स्थापना के लिए प्रयत्न किया। दूरदराज के इस इलाके मैं कॉलेज खोलने के लिए जब जगह देखने विश्वविद्यालय की समिति गई तो उनका विचार इस स्थान पर कॉलेज खोलने के पक्ष में नहीं था। समिति के एक सदस्य ने कहा कि यहां जंगल में कौन पढ़ने आएगा और कौन पढ़ाने आएगा। यहां कॉलेज चलाना असंभव है। डॉ. राणा ने उन्हें अपने कक्ष में बिठाकर समझाया, आप ठीक कहते हैं, पर जरा सोचिए क्या इसी कारण ये कॉलेज इस क्षेत्र के कृषिजीवी परिवारों के लिए वरदान नहीं होंगे। यहां के युवक सेंट स्टीफंस, हिंदू कॉलेज या अन्य किसी कैंपस कॉलेज में तो जा नहीं पाते। प्रवेश ले भी लिया तो वहां वे खुलकर विकसित नहीं हो सकेंगे। यदि हीन भावना से ग्रसित हो गए तो और भी बुरा होगा। आप इसका विरोध न करें और इस क्षेत्र के युवकों को यह एक अवसर लेने में सहायक बनें। निरीक्षण समिति ने हरी झंडी दे दी। डॉ. राणा की प्रेरणा और उद्यम से कृषक समाज के युवकों को भी दिल्ली विश्वविद्यालय में अपने माहौल में शिक्षा पाने का अवसर मिल गया। दिल्ली के सीमांत में स्थापित कॉलेजों के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय की ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंच हुई जो उस इलाके के लोगों के लिए वरदान सिद्ध हुई। इसका श्रेय डॉ. राणा, डीन ऑफ कॉलेज को ही जाता है। डॉक्टर सरूप सिंह के देहावसान के बाद उनकी याद में एक अच्छा स्मृति ग्रंथ निकालने का संकल्प डॉ. राणा ने डीन रहते हुए लिया। ऑफिस की

व्यस्तता के बावजूद बहुत अच्छे स्मृति ग्रंथ को उन्होंने तैयार किया। मैं जानता हूं स्मृति ग्रंथ को तैयार करने के लिए जिन लोगों से लेख या संस्मरण लिखने का अनुरोध किया जाता है वह बार–बार दोहराने और अनुरोध करने पर कहीं जाकर सफल होता है। फिर लेखों, संस्मरणों को व्यवस्थित करके पुस्तकाकार बनाना यह श्रम साध्य कार्य है। जब रामनिवास मिर्धा जी, जो महाराजा सूरजमल शिक्षा संस्था के अध्यक्ष भी थे, का देहांत हुआ तब मैंने उनकी पुण्य स्मृति में एक ग्रंथ, सूरज सुजान मासिक पत्रिका का विशेषांक, निकालने का प्रयास किया था। मैं उनके परिचितों को लिख–लिख कर, टेलीफोन कर–कर के थक गया, पर सफल नहीं हो सका। जबानी तो लोग बोल देते हैं परंतु लिखकर देना सरल नहीं होता। खैर डॉ. राणा ने डॉ. सरूप सिंह स्मृति ग्रंथ को बहुत अच्छा स्वरूप दिया। बहुत अच्छी तरह से उसे प्रकाशित करवाया। इतना ही नहीं उसके विमोचन का भव्य समारोह डॉ. राणा ने एसआरसी कॉलेज के सभा भवन में किया। मैं उसमें उपस्थित था। कल्पना से बहुत अधिक लोग एकत्र हुए थे। डॉ. राणा के प्रयास से यह भव्य समारोह डॉ. सरूप सिंह के व्यक्तित्व के अनुरूप हुआ। समारोह में उस समय जो लोग सम्मिलित हुए उनके लिए एक यादगार बन गया। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था में डॉक्टर सरूप सिंह के नाम से एक उच्चस्तरीय वाद–विवाद प्रतियोगिता अंग्रेजी के माध्यम से प्रतिवर्ष आयोजित होती है । इसकी अवधारणा डॉ. राणा ने ही डॉक्टर साहब की यादगार में की। उन दिनों वह मेरे साथ ही एक कक्ष में बैठते थे। मुझे मालूम है इस काम को वे कितने मनोयोग से करते थे। डिबेट का दायित्व जिन अध्यापिकाओं का होता था उनके साथ बार–बार मीटिंग करके हर चीज को बहुत बारीकी से देखते थे। क्या विषय होगा, कहां–कहां से कॉलेज के विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने के लिए बुलाया जाएगा, कौन निर्णायक होंगें, बाद में जलपान की व्यवस्था कहां पर होगी। छोटी से छोटी बात पर वे ध्यान देते थे। सरूप सिंह जी के बारे में वे स्वयं बताते थे। बताने को इतना कुछ होता था कि.....। जिस काम को वे अपने हाथ में लेते थे उसकी परत दर परत मीमांसा करना उनका स्वभाव था। इसी का परिणाम है कि आज तक वह डिबेट बहुत अच्छे स्तर पर चल रही है। इसी के समकक्ष पहले से चली आ रही एक हिंदी वाद–विवाद प्रतिस्पर्धा कैप्टिन भगवान सिंह की यादगार में आयोजित होती है। डॉक्टर सरूप सिंह और कैप्टिन भगवान सिंह परस्पर बहुत अच्छे मित्र थे। प्रायः उनकी शाम इकट्ठे बीता करती थी। हिंदी डिबेट को मैंने संभाला हुआ था। डॉ. राणा तो साथ होते ही थे। बहुत प्रयास के बावजूद भी हिन्दी डिबेट का स्तर वैसा नहीं हो पाया जैसा अंग्रेजी डिबेट का हुआ। अब तक डॉक्टर सरूप सिंह स्मृति प्रतिस्पर्धा के चार या पांच सफल आयोजन हो चुके हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि यह प्रतिस्पर्धा इसी स्तर पर आगे भी नियमित रूप से होती रहेगी ।

अपने समाज के गौरव को प्रदर्शित करने के लिए डॉक्टर राणा ने एक प्रस्ताव संस्था की कार्यकारिणी में स्वीकृत करवाया। उसके लिए आर्थिक व्यवस्था की स्वीकृति भी संस्था ने दी। डॉ. राणा की योजना संस्था में एक उचित स्थान पर, जहां हर व्यक्ति जो संस्था में आए अनायास ही उसकी निगाह उस पर पड़े, अपने समाज के कर्मठ महापुरुषों की विवरणात्मक एक पिक्चर गैलरी स्थापित करने की थी। इसके लिए उन्होंने काम भी शुरू कर दिया था। आशा करनी चाहिए यह पिक्चर गैलरी बनेगी और अपने समाज के गौरवशाली लोगों की स्मृति में इसका महत्वपूर्ण योग होगा। इसी सिलसिले में उनका विचार जाट इतिहास पर अब तक जो काम हुआ है उसे संकलित करके उसकी समुचित विवेचना करके एक अच्छे ग्रंथ के प्रकाशन का था। इस विवेचना में न किसी के मत का खंडन और न किसी तथ्य की अवहेलना होगी यह भावना इसकी जड में रही। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था का प्रकाशन विभाग इस पर काम कर रहा है। इसकी सामग्री एकत्रित हो रही है।

जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों की ग्रामीण क्षेत्र में स्थापना में डॉ. राणा ने सफल प्रयास किया इसी प्रकार सूरजमल संस्थान के भवन निर्माण से लेकर कॉलेजों के आईपी यूनिवर्सिटी से संबद्धता डॉ. राणा के प्रयास से हुई। डॉ. राणा 1998 से 2001 तक सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सचिव, 2001 से 2007 तक संस्था के उपाध्यक्ष रहे। उसके बाद संस्था के कंस्ट्रक्सन कमेटी के चेयरमैन तथा वर्तमान में एकेडमिक कमेटी के चेयरमैन थे। संस्था के शैक्षणिक स्तर को सर्वोत्कृष्ट बनाने में भी डॉक्टर राणा का योगदान सराहनीय है। विश्वविद्यालय में डीन रहते हुए और बाद में वहां से अवकाश ग्रहण करने के बाद डॉ. राणा पूर्णकालिक सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था की उन्नति में प्रयासरत रहे। वस्तुतः सूरजमल शिक्षा संस्थान की आज जो ख्याति है वह अन्य सहकर्मियों के साथ मुख्य रूप से मिर्धा जी, एस.पी. सिंह जी, डॉ. काद्यान और डॉ. राणा के प्रयास का ही परिणाम है। अनेक बार कार्यकारिणी में अगर कोई बात डॉ. राणा को ठीक नहीं लगती थी तो वह उसे इतना तर्कसंगत बनाकर उपस्थित करते थे कि उसे मान लिया जाता था। वह कार्यकारिणी के स्थाई सदस्य थे और हर मीटिंग में अपना होमवर्क करके आते थे। कहीं भी कोई बात कानून के रास्ते से हट कर नहीं हो सकती थी। डॉक्टर साहब का प्रयास होता था कि कोई भी चीज नियम विरुद्ध न हो। संस्था के कर्मचारी चाहे वे अध्यापक हों या चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी, नियमों के अंतर्गत रहते हुए

उनका पूरा ख्याल रखा जाए यह आग्रह डॉ. राणा का सदा रहता था। संस्था भवन से न बनकर, उन्हीं लोगों से बनती है जो वहां कार्य करते हैं। उनके प्रति एक उदारता का भाव डॉ. राणा में सदैव रहता था। कई बार मीटिंग में भी इस बात को बहुत सहजता से और ऐसे कि किसी को खटके भी नहीं, कहते थे। कर्मचारियों की वेतन वृद्धि का प्रश्न हो या उनके सर्विस के रूल्स रेगुलेशंस हों, सब में उनकी विवेचना उदार होती थी। इस संबंध में श्री एस.एस. सोलंकी ने बहुत परिश्रम से एक पुस्तिका बनाई। इसमें भी डॉ.राणा सोलंकी जी के प्रमुख सलाहकार रहे।

डॉ. राणा के साथ मेरा घनिष्ट मैत्री संबन्ध सन् 1955 से अन्तिम क्षण तक रहा। आज अतीत के प्रसंगों को याद करते हुए मैं बडे भारी मन से यह विनम्र श्रद्धांजलि उन्हें समर्पित कर रहा हूँ।

राजा महेंद्र प्रताप

प्रथम अंतरिम आजाद हिंद सरकार के राष्ट्रपति –

राजा महेंद्र प्रताप 29 अक्टूबर 1915 के दिन अफगानिस्तान में बनी प्रथम अंतरिम आजाद हिंद सरकार के राष्ट्रपति थे। इस सरकार के प्रधानमंत्री मौलाना मोहम्मद बरकतउल्ला थे। प्रथम विश्व युद्ध के दिनों में बनी इस सरकार की अपनी आजाद हिंद फौज भी थी जिसमें 6000 सैनिक थे। इसी प्रकार की एक आजाद हिंद सरकार और आजाद हिंद फौज द्वितीय विश्व युद्ध के दिनों में बैंकॉक में रासबिहारी बोस और जनरल मोहन सिंह के नेतृत्व में गठित हुई थी। जिसका नेतृत्व बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने संभाल लिया था। इस आजाद हिंद फौज ने भारी लड़ाई लड़कर भारत के कुछ भाग पर कब्जा भी कर लिया था। पर वह बाद की कहानी है। भारत से बाहर पहली आजाद हिंद सरकार राजा महेंद्र प्रताप ने बनाई थी।

बलिदानी स्वप्नद्रष्टा–

बलिदानी, क्रांतिकारी, स्वातंत्र्य योद्धा होने के लिए मनुष्य को सनकी और स्वप्नदृष्टा होना होता है। चतुर, समझदार, विवेकशील, फूंक–फूंक कर कदम रखने वाले लोग कभी महान् बलिदानी नहीं बन सकते। कभी कभी तो बलिदानी स्वप्नदर्शी स्वतंत्रता संग्रामियों की लगन पागलपन की सीमा तक पहुंच जाती है। राजा महेंद्र प्रताप वृंदावन के एक बड़े जागीरदार थे। जिन्हें राजा की उपाधि मिली हुई थी। वे स्वामी दयानंद द्वारा स्थापित आर्य समाज से भी प्रभावित थे। समाज सुधार और देश को स्वाधीन कराने की ललक उनके मन में भरी थी। उन्होंने भूमि दान देकर प्रेम महाविद्यालय नाम से एक राष्ट्रीय शिक्षा संस्था खोली थी और गुरुकुल वृंदावन के लिए भी भूमि दी थी।

सन् 1914 में यूरोप में पहला विश्वयुद्ध छिड़ गया और युद्ध के शुरू में जर्मनी की जीत होती दिखाई दी। तब राजा महेंद्र प्रताप ने बहुत दूर तक विचार किए बिना यह तय किया कि भारत से अंग्रेजी शासन को उखाड़ फेंकने का यह अच्छा अवसर है। अंग्रेजों की सहायता करने के बजाय (जैसी कि तब महात्मा गांधी ने की थी) अंग्रेजों के शत्रुओं की सहायता करने से देश को शीघ्र स्वाधीन कराया जा सकता है ऐसा उनका विचार था।

संपत्ति बेचकर जर्मनी गए–

जो कुछ भी संपत्ति बेची जा सकती थी उसे बेचकर राजा महेंद्र प्रताप ने धन का जुगाड़ किया और कुछ साथियों के साथ पानी के जहाज से मुंबई से जर्मनी के लिए रवाना हो गए कहा जाता है कि स्वामी श्रद्धानंद जी के जेष्ठ पुत्र हरिश्चंद्र विद्यालंकार भी उनके साथ गए थे।

बर्लिन समिति–

जर्मनी उन दिनों भारतीय क्रांतिकारियों का केंद्र बना हुआ था। वहां डॉक्टर चंपक, रमन पिल्लई, डॉक्टर भूपेंद्र नाथ दत्ता, वीरेंद्र नाथ चट्टोपाध्याय, अब्दुल हाफिज मोहम्मद बरकतउल्ला, डॉक्टर चंद्रकांत गोस्वामी, वीरेंद्र सरकार जैसे अनेक क्रांतिकारियों ने मिलकर एक बर्लिन समिति बना ली थी। महान तपस्वी क्रांतिकारी लाला हरदयाल भी वहां पहुंच गए थे। जर्मन सरकार ने बर्लिन समिति के सहयोग से भारत में हथियारों से भरे कुछ जहाज भेजे। परंतु

शक्तिशाली ब्रिटिश नौसेना ने उन्हें भारतीय क्रांतिकारियों तक पहुंचने ही नहीं दिया। उन्हें पकड़ लिया या नष्ट कर दिया।

पहली आजाद हिंद सरकार–

राजा महेंद्र प्रताप ने भी जर्मनी के राजा विलहैल्म कैसर से भेंट की और उसके सम्मुख यह सुझाव रखा कि वह अफगानिस्तान के शाह पर प्रभाव डाल कर वहां एक अंतरिम आजाद हिंद सरकार बनाने में सहायता दे। यह सरकार भारत में विद्रोह कराकर वहां से अंग्रेजों को खदेड़ने के लिए युद्ध करेगी। विलहैल्म कैसर को यह योजना ठीक लगी। उसने इसे स्वीकार कर लिया। राजा महेंद्र प्रताप को यथोचित साधनों के साथ अफगानिस्तान जाने को कहा गया। राजा अपने साथियों के साथ वहां पहुंचे और उन्होंने सन् 1915 में अपनी पहली आजाद हिंद सरकार बना ली।

हबीबुल्ला की धूर्तता–

अफगानिस्तान का शासक उस समय अमीर हबीबुल्लाह था। वह धूर्त व्यक्ति था। वह जर्मनी से भी मित्रता का दिखावा करता था और अंग्रेजों से भी मिला हुआ था। उसने आजाद हिंद सरकार बन तो जाने दी परंतु उसका बस चलता तो वह राजा महेंद्र प्रताप और उसके साथियों को पकड़ कर अंग्रेजों को सौंप देता। राजा महेंद्र प्रताप के सौभाग्य से हबीबुल्लाह खान् का पुत्र अमानुल्लाह था। वह अंग्रेजों का विरोधी था। प्रधान सेनापति जनरल नादिर खां की भी सहानुभूति भारतीयों के साथ थी। अन्य बहुत से प्रभावशाली लोग भी आजाद हिंद सरकार के समर्थक थे। इस कारण हबीबुल्लाह आजाद हिंद सरकार के नेताओं को गिरफ्तार तो नहीं कर सका परंतु उनके अनुरोध पर उसने अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध की घोषणा तो की ही नहीं आजाद हिंद सरकार को वह काम भी नहीं करने दिया जिसके लिए वह बनाई गई थी। प्रथम विश्वयुद्ध के शुरू के दिनों में जर्मनी को बड़ी सफलता मिली थी और अधिकतर लोग यह समझने लगे थे कि जर्मनी युद्ध जीत जाएगा। परंतु जब फ्रांस और इंग्लैंड ने आक्रमण का पहला धक्का झेल लिया और दोनों पक्षों की सेनाएं खाइयों के मोर्चे बनाकर आमने–सामने डट गईं और लड़ाई लंबी खिंचने लगी तब जर्मनी की जीत की आशा दिनोंदिन घटती चली गई। राजा महेंद्र प्रताप की आजाद हिंद सरकार में प्रधानमंत्री मोहम्मद बरकतउल्ला खां के अलावा मौलाना ओबेदुल्ला सिंधी गृह मंत्री, डॉ रमन पिल्लई विदेश मंत्री और डॉक्टर मथुरा सिंह स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए थे।

रूस से सहायता नहीं मिली–

इस आजाद हिंद सरकार ने तुर्की और रूस से भारत के स्वतंत्रता के लिए सहायता प्राप्त करने के लिए प्रयत्न किए। डॉक्टर मथुरा सिंह और खुशी मोहम्मद को एक प्रतिनिधि मंडल के रूप में रूस के जार के पास भेजा गया जारशाही रूस प्रथम विश्व युद्ध में अंग्रेजों का मित्र था। परिणाम यह हुआ कि प्रतिनिधि मंडल के दोनों सदस्यों को ताशकंद में ही गिरफ्तार करके अंग्रेजी सरकार के पास भारत भेज दिया गया। भारत में राजद्रोह के अपराध में डॉक्टर मथुरा सिंह को फांसी दे दी गई। अफगानिस्तान में रहकर आजाद हिंद सरकार कुछ कर नहीं पा रही थी। अंग्रेजी गुप्तचर उस पर नजर गड़ाए हुए थे। इसलिए राजा महेंद्र प्रताप ने कबायली क्षेत्र में घुसकर यहां से भारत पर धावा बोलने का प्रयत्न किया। परंतु यूरोप में जर्मनी की पराजय हो जाने से उनके प्रयास विफल हो गए। युद्ध के बाद रूस में – क्रांति वीरों की असली परीक्षा विफलता के क्षणों में ही होती है। प्रथम महायुद्ध के समय सन् 1917 में रूस में साम्यवादी क्रांति हो गई थी। जारशाही समाप्त कर दी गई थी। सन् 1918 में राजा महेंद्र प्रताप रूस पहुंच गए और रूसी नेता लेनिन से उनका अच्छा परिचय हो गया। लेनिन ने उन्हें भारत लौट जाने और उसकी स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने की सलाह दी। यह व्यावहारिक नहीं था। राजा महेंद्र प्रताप का नाम राजद्रोहियों की सूची में था। भारत में उनकी सारी संपत्ति जप्त कर ली गई थी। भारत पहुंचते ही उनको सीधा फांसी घर पहुंचा दिया जाता। नवजात साम्यवादी रूस के लिए पूंजीवादी यूरोप की चुनौतियां ही इतनी अधिक थीं कि लेनिन भारत की स्वतंत्रता के लिए इंग्लैंड से शत्रुता मोल लेना नहीं चाहता था।

अमानुल्लाह खां के सहयोग से भारत पर चढ़ाई –

वर्ष 1919 में अफगानिस्तान के शासक हबीबुल्ला की हत्या कर दी गई और उसके स्थान पर अमानुल्ला खां शासक बना। अमानुल्ला खां से राजा महेंद्र प्रताप की मित्रता थी। वह तुरंत अफगानिस्तान पहुंच गए। उनके तथा तुर्क नेताओं के उकसाने पर 29 मई 1919 को अमानुल्ला ने हिंदुस्तान पर चढ़ाई कर दी। अंग्रेज जर्मनी और तुर्की को

परास्त कर चुके थे। उनके लिए अफगानिस्तान को हराना कठिन नहीं था। परंतु वह भी लड़ाई से ऊबे हुए थे लड़ने के बजाय उन्होंने अमानुल्ला खां की मांगें मान कर संधि कर ली। लड़कर कुछ विशेष मिलना नहीं था। संधि में उन्हें कुछ खोना नहीं पड़ा। परंतु राजा महेंद्र प्रताप का भारत की स्वाधीनता का स्वप्न खटाई में पड़ गया।

विश्व संघ और विश्व सरकार–

सारे संसार को प्रेम सूत्र में बांधना राजा महेंद्र प्रताप का पुराना स्वप्न था। इसी से प्रेरित होकर उन्होंने प्रेम महाविद्यालय की स्थापना की थी। अब वह पूरी तरह प्रेमधर्म के प्रचार में डूब गए। प्रथम विश्व युद्ध के बाद एक राष्ट्र संघ (लीग ऑफ नेशन्स) की स्थापना हुई थी। उसी को और आगे बढ़ाकर राजा महेंद्र प्रताप ने एक विश्व संघ और विश्व सरकार की स्थापना के लिए प्रचार करना शुरू किया। इस प्रसंग में वह चीन और जापान भी गए। जापान में उनकी भेंट रासबिहारी बोस और आनंद मोहन सहाय से भी हुई। उनके सम्मिलित प्रयत्न से सन् 1926 में नागासाकी में एशियाई युवक सम्मेलन का आयोजन किया गया। परंतु जापानी सरकार ने इंग्लैंड के राजदूत के दबाव में राजा महेंद्र प्रताप को नागासाकी में जहाज से उतरने की अनुमति नहीं दी। राजा ओसाका चले गए तो वहां भी उन्हें होटल से बाहर जाने की छूट नहीं थी। उन्हें एशियाई युवक सम्मेलन में भाग नहीं लेने दिया गया। सम्मेलन समाप्त हो जाने पर उन्हें बलपूर्वक जहाज पर चढ़ाकर जापान से बाहर भेज दिया गया। राजा महेंद्र प्रताप यायावर की तरह कई देशों में भटकते रहे। भारत में उनका प्रवेश निषिद्ध था। कुछ समय के लिए वह अपने पूर्व प्रधानमंत्री मोहम्मद बरकतुल्ला खां के साथ अमेरिका भी गए और गदर पार्टी के सदस्यों से मिले।

आर्यान की स्थापना का स्वप्न–

राजा महेंद्र प्रताप का एक सपना आर्यान देश की स्थापना था। इसमें उन सब देशों को मिलाकर एक देश बनाया जाना था जिनमें आर्य लोग रहते हैं। इसमें भारत के अतिरिक्त अफगानिस्तान और ईरान को भी सम्मिलित किया जाना था। उन दिनों ईरान और अफगानिस्तान में हिंदू विरोधी भावना वैसी नहीं थी जैसी सन् 1947 के बाद पश्चिमी देशों के प्रयत्न से पैदा की गई। आर्यान का स्वप्न भी स्वप्न ही रहा। सन् 1937 में अंग्रेजों ने भारतीयों को आंशिक स्वतंत्रता दी थी जिसके अनुसार कई प्रांतों में कांग्रेसी सरकारें बनी थीं। परंतु वे सरकारें भी राजा महेंद्र प्रताप को भारत आने की अनुमति नहीं दिला सकीं। वह सन् 1946 में ही भारत आ पाए, जब अंग्रेजों ने यह घोषणा कर दी कि अब इंग्लैंड भारत में अपना शासन जारी नहीं रखना चाहता। राजा महेंद्र प्रताप जैसे लगन के धनी लक्ष्य को समर्पित नेता कम ही हुए हैं।

––विराज जी की पुस्तक (भारत के महान् क्रान्तिकारी) पुस्तक से साभार उद्धृत

फरवरी अंक से क्रमशः.....

दोआब के वैभवशाली जाट राज्य

डा. राजेन्द्र कुमार, 9897821175

हाथरस :

पिछले अंकों में सासनी और मुरसान के शासकों के वर्णन में ठेनुआ राजवंश के संस्थापक ठाकुर नन्दराम और उनके पुत्रों के बारे में विस्तार से बताया जा चुका है। नन्दराम को औरंगजेब से जावर और तोछीगढ़ के दीवानी अधिकार और फौजदार की पदवी मिली थीं। उसकी मृत्यु 1696 में हो गयी थी। उसके चौदह पुत्र थे जिनमें जुलकरण, जय सिंह, भोज सिंह और चूड़ामन– इन चार के बारे में ही जानकारी मिलती है। मुरसान, सासनी और हाथरस पर नन्दराम के वंशजों का शासन रहा था। नन्दराम के दूसरे पुत्र जय सिंह ने अपने पिता नन्दराम की देखरेख में पहली बार मुरसान के बाहर अपनी गतिविधियों का विस्तार किया। हाथरस और मेंडू उस समय पोरच राजपूतों के अधिकार में थे और उनसे नन्दराम के अच्छे सम्बन्ध थे। जय सिंह ने भी पोरच राजपूतों से अच्छे सम्बन्ध बना लिये और उनकी हाथरस रियासत की मालगुजारी इकट्ठी करने में उनकी मदद करने लगा। नन्दराम के सातवें पुत्र भोज सिंह ने अपने पिता के नक्शे–कदम पर चलते हुए अपनी रियासत को बढ़ाने का काम किया। मुगल बादशाह फर्रूखसियर के समय उसके वजीर सैयद अब्दुल्ला को, जो मुगल साम्राज्य के सर्वशक्तिमान जानसठ के प्रसिद्ध सैयद भाइयों में बड़ा भाई था, प्रसन्न करके उससे टप्पा जावर और तोछीगढ़ का लगान जमा करने और इलाके की फौजदारी के अधिकार 1716 ई. में प्राप्त कर लिये थे। कुछ समय पश्चात उसने मुगल दरबार से एक परवाना और प्राप्त करने में सफलता

प्राप्त की, जिसके अनुसार उसे उस इलाके का पूरा राजस्व जमा करनें और उस पर छूट और भत्ते के रूप में आर्थिक अधिकार भी प्राप्त हो गये। साधारण भाषा में इसे जागीर कहा जाता था। यह पूरी जागीर भोज सिंह ने अपने और अपने भाई जय सिंह के बीच बराबर–बराबरं बाँट ली। समय के साथ–साथ जैसे–जैसे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आता गया, उसकी अपेक्षाओं में वृद्धि होने लगी।

जय सिंह कई वर्षों से पोरचों का राजस्व इकट्ठा करने में सहायता देने के कारण हाथरस के आन्तरिक मामलों से जुड़ा हुआ था और उसने वहाँ की जनता में और आमिल की नजरों में अपनी साख भी बना ली थी। अवसर मिलते ही उसने हाथरस से पोरच राजपूतों को निकाल बाहर किया और उस पर अधिकार कर लिया। हाथरस पर अधिकार करते ही जय सिंह ने उसे अपनी राजधानी बना लिया और उसके किले की मरम्मत और नवीकरण कराया। जय सिंह ने भरतपुर के राजाओं से भी सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध स्थापित कर लिये और उनके युद्ध अभियानों में उनका साथ देने लगा। जय सिंह की मृत्यु 1749 में हो गयी और उससे अगले वर्ष ही भोज सिंह का भी देहान्त हो गया। भोज सिंह के तीन पुत्र थे, जगत सिंह, मोहन सिंह और कंचन सिंह। भोज सिंह की रियासत उसके तीनों पुत्रों में बंट गयी– बाराँ और टकसान जगत सिंह के हिस्से में आये, सिमधारी मोहन सिंह के और कोटा और छोटुआ सबसे छोटे कंचन सिंह के। फौजदार जय सिंह के बाद उसका बड़ा पुत्र बरन सिंह हाथरस का स्वामी हुआ। बरन सिंह के नाम को लेकर इतिहासकारों में भ्रम है। 'मथुरा मैमोयर्स' का लेखक ग्राउजे, जो मथुरा का कलेक्टर भी रहा था, उसका नाम बदन सिंह लिखता है, जे. एम. सिद्दीकी ('अलीगढ़ डिस्ट्रिक्ट– ए हिस्टोरिकल सर्वे') तथा ठाकुर देशराज ('जाट इतिहास') उसे बरन सिंह लिखते हैं। ब्रिटिश इतिहासकार हचिंसन लिखता है–'जय सिंह के पुत्र ठाकुर बरन सिंह ने अवध के सूबेदार पर दबाव बनाया कि हाथरस तालुका और उसके आसपास के गाँव, जो अब तक पोरच राजपूतों के कब्जे में थे, उसे स्थानांतरित किये जायें।' (अलीगढ़ स्टैटिस्टिक्स, पृ. 141) इन दिनों उत्तर भारत में भरतपुर के राजा सूरजमल का डंका बज रहा था। वीरता, रणकौशल, बुद्धि, नीति और चतुराई में उसका कोई सानी नहीं था। अपने जीवनकाल में उसने ग्यारह लड़ाइयाँ लड़ीं किन्तु वह किसी में भी पराजित नहीं हुआ। तत्कालीन फारसी इतिहासकारों, यहाँ तक कि उसके शत्रुओं के दरबारी लेखकों ने भी उसकी भूरि–भूरि प्रशंसा की है। आमेर के राजा सवाई जय सिंह और दिल्ली के वजीर नवाब सफदरजंग की उस पर विशेष कृपा–दृष्टि थी और वह कृपा–दृष्टि अकारण नहीं थी। जय सिंह के हर विजय अभियान में सूरजमल उसके साथ रहा और मुसीबत के समय सफदर जंग ने जब सूरजमल से सहायता की प्रार्थना की, सूरजमल ने मुक्त हृदय से उसका साथ दिया था। सूरजमल की यह विशेषता थी कि जिसके साथ वह एक बार खड़ा हो गया, अन्त तक उसका साथ दिया, चाहे कितनी भी हानि उठानी पड़ी हो।

1761 ई. में पानीपत की तीसरी लड़ाई में मराठे अहमदशाह अब्दाली से बुरी तरह पराजित हुए। सूरजमल अब्दाली को पराजित कर भारत से हमेशा के लिए खदेड़ने का जी–जान से इच्छुक था, और उसके लिए उसने मराठा सरदारों होल्कर,, भोंसले और सिंधिया के साथ मिलकर खूब तैयारी भी की हुई थी, किन्तु पेशवा द्वारा भेजे गये मराठा सेनापति सदाशिवराव भाऊ ने, जो मात्र अट्ठाईस वर्षीय अनुभवहीन, बड़बोला युवक था, उसकी एक भी सलाह नहीं मानी, बल्कि अपने दम्भ के कारण उसका बार–बार अपमान किया, यहाँ तक कि उसके किसानों जैसे साधारण रहन–सहन का भी यह कहकर बार–बार मखौल उड़ाया कि तुम खेती करने वाले राजकाज की बात क्या जानों, मुग्दर भांजने, लाठी और तलवार चलाने से ही कोई वीर नहीं बन जाता, फसल काटना अलग बात है और युद्ध में विधर्मियों को परास्त करना अलग । परिणामस्वरूप सूरजमल मराठों से अलग हो कर भरतपुर वापस लौट गया।

उससे पहले 1760 ई. में सूरजमल को तटस्थ रखने के लिए नजीबुद्दौला द्वारा सूरजमल को कोल, डिबाई तथा जलेसर के परगने भेंट किये गये थे। यद्यपि अपने लाभ के लिए नजीबुद्दौला को जाटों को प्रमुखता देने के लिए बाध्य होना पड़ा था, किन्तु अन्दर से तो वह जाट राजा का शत्रु ही था क्योंकि वह उसके धुर विरोधी नवाब वजीर सफदरजंग का सहयोगी था, और नजीब मराठों के पश्चात अब्दाली की मदद से उसे भी नष्ट करने की योजना बना रहा था। इसके विपरीत अपने साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाने के लिए नजीबुद्दौला की तरलता का लाभ सूरजमल ने उठाया। इससे सूरजमल के सम्मान और रुतबे में भी वृद्धि हुई और साथ में उसका साथ देने वाले फौजदार जय सिंह और उसके पुत्र बरन सिंह का रुतबा भी बढ़ा। सूरजमल ने अपने खोये हुए इलाकों को वापस ले ही लिया, साथ में कुछ नये इलाकों पर भी अधिकार कर लिया। ठाकुर बरन सिंह इन सब अभियानों में सूरजमल के साथ रहा। सूरजमल के साथ मिलकर वह सफदरजंग के पक्ष में भी लड़ा और इसलिए उसे सफदरजंग की भी कृपा प्राप्त हुई। सूरजमल ने मेंडू के पोरच जमींदार राजा रतन सिंह को भी परास्त कर मेंडू से बाहर कर दिया और वह इलाका बरन सिंह को सौंप दिया। सोलहवीं शताब्दी में जिन पोरच राजपूतों के अधिकार में 54 गाँव हाथरस में तथा 14 गांव मुरसान परगनों में थे, जिनमें दरियापुर, मदनपुर, तातारपुर, आलिया, मिताई, गिरजौली, हाथरस, मेंडू, लखनू, पाबलोइ,

खोंडा हजारी, और गढ़ी कंधारी प्रमुख थे, 1868 में उनके अधिकार में केवल एक पूरा गाँव तथा एक तिहाई गांव रह गये थे। उनके कब्जे वाले अधिकांश गाँव बरन सिंह के अधिकार में चले गये थे। बरन सिंह ने हाथरस के किले में भी सुधार कराये।

ठाकुर बरन सिंह का 1768 में देहान्त हो गया। उसके बाद उसके दो पुत्र थे, भूरी सिंह और सकट सिंह। सकट सिंह को टप्पा जावर की सम्पत्ति प्राप्त हो गयी जो उसके बाद उसके दो पुत्रों दुर्गा सिंह और उदय सिंह में विभाजित हो गयी। बरन सिंह की हाथरस रियासत का शासक उसका बड़ा पुत्र भूरी सिंह बना। भूरी सिंह केवल सात वर्ष ही शासन कर सका और 1775 में उसकी मृत्यु हो गयी। अल्प समय में ही उसने रियासत के प्रबन्ध में सुधार किये। वह बुद्धिमानीपूर्वक, मराठा और मुगल सरदारों के साथ संघर्षों से बचते हुए, अपनी सम्पत्ति पर अपना दावा बनाये रखने में कामयाब रहा। उसने हाथरस के किले में सुप्रसिद्ध दाऊजी के मन्दिर का निर्माण आरम्भ कराया जिसे उसके सुयोग्य पुत्र दयाराम ने पूरा किया।

ठाकुर भूरी सिंह के बाद उसका पुत्र दयाराम हाथरस की गद्दी पर बैठा। वह ठेनुआ वंश के नेताओं में सबसे अधिक योग्य, वीर, बुद्धिमान, साहित्यिक मण्डली में सवौधिक लोकप्रिय, और अत्यन्त चतुर शासक था। वह पहला व्यक्ति था जिसने हाथरस के राजा की उपाधि धारण की, जो उस काल की स्थापित शक्तियों द्वारा विधिवत मान्य कर ली गयी। उसने हाथरस रियासत का चहुं ओर विकास किया। उसकी रियासत में उसके पुरखों का सारा भाग–सिमधारी, तोछीगढ़, गुबरारी, बरहाद, करील, मांट, महाबन, सोनाइ, राया, हसनगढ़, साहपौ और खण्डौली के अलावा आगरा का कुछ भाग भी सम्मिलित था। राया की स्थापना गोधा गोत्र के मुखिया रायसेन द्वारा की गयी थी। बाद में जमशेर बेग ने उसमें एक किले का निर्माण कराया। जब राया दयाराम के कब्जे आ गया तो उसने किले का पुनर्निर्माण कराया और उसे अधिक मजबूत और सुविधासम्पन्न रूप दिया। इसी प्रकार 1772 में बेगम उमराव शाह ने सोनाई में एक किले का निर्माण कराया। दयाराम ने उस पर भी लगातार नजर रखी और आखिर में 1808 में उस पर अधिकार कर लिया और उसमें भी सुधार कराया। राजा दयाराम के शासन में सोनाई को तहसील बनाया गया। इसी प्रकार उसने अपने परिवारजनों की रियासतों को – 1776 में सिमरधारी, 1779 में तोछीगढ़, 1794 में गुरबारी और 1799 में बारहा को अपने अधिकार में ले लिया। बारहा 1777 में मराठों द्वारा उसके एक चचेरे भाई से छीन लिया गया था। उसे उसने मराठों से बलपूर्वक वापस ले लिया। इलाके पर अधिकार के लिए उसने हर प्रकार के हथकण्डे अपनाये, कुछ सम्पत्तियाँ मूल्य चुका कर खरीदीं, कुछ उसके परिजनों द्वारा गिरवी रखी गयी थीं, वे साहूकार से छुड़वा लीं, और कुछ बलपूर्वक प्राप्त कर लीं। इस प्रकार दयाराम बड़े इलाके का स्वामी बन गया।

(क्रमशः अगले अंक में).....

Events conducted in the Month of April, 2021

Maharaja Surajmal Institute Of Technology

ACTIVITIES ORGANISED BY PLACEMENT DEPARTMENT

A session and test for final year students was arranged by Careerlabs on 23rd April, 2021. The students were informed about the various career prospects like how to improve their skill and domain for the job market. A test was conducted and based on that students were counseled about their prospects in various industries. Students were also offered training and workshop sessions leading to job opportunities

ACTIVITIES ORGANISED BY IEEE MSIT AND EEE DEPARTMENT

IEEE PES MSIT and Department of Electrical and Electronics organized an expert Talk on "Green Hydrogen from Renewable Energy : Technology Outlook for the Energy Transition" on the occasion of PES DAY 2021 on 24th April, 2021.The speaker of the session was Ms. Anupma Thakur -DST-INSPIRE Senior Research Fellow @ CSIR-CSIO, Chandigarh, India. The main aim of the webinar was to promote an innovative ecosystem for affordable and clean energy solutions. Various domains on hydrogen-clean fuel, solar energy harvesting, energy transition, water splitting and many more that mainly aims to give the future outlook and market potential of green hydrogen was discussed in the session. Students received insights into the latest industrial standards and the fuel cell technologies.

शोक संदेश–चौधरी अजीत सिंह

किसान मसीहा और देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के पुत्र एवं राष्ट्रीय लोकदल सुप्रीमो चौधरी अजीत सिंह का आकस्मिक निधन 6 मई 2021 को हो गया। स्व. चौधरी अजीत सिंह सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य थे। उत्तर भारत के किसानों के चहेते नेता स्व. अजीत सिंह जी का जन्म 12 फरवरी 1939 को उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के भड़ोला ग्राम में हुआ था। उन्होंने स्नातक, बीटेक और स्नातकोत्तर उपाधि नामी संस्थान लखनऊ विश्वविद्यालय, आईआईटी खडकपुर और प्रौद्योगिकी के इलिनोइस संस्थान शिकागो से प्राप्त की। उन्हें कृषि और आधुनिक प्रौद्योगिक के क्षेत्र में विशेष रूचि थी। उन्होंने अमेरिका में लगभग 17 वर्षों तक अमेरिकी कम्प्यूटर इंडस्ट्री में कार्य किया और 1987 में चौधरी चरण सिंह के प्रशंसकों के आग्रह पर उनकी राजनीतिक विरासत को संभालने के लिए राजनीति में आ गये। उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल पार्टी बनाई तथा उसके अध्यक्ष बनें। उन्हें पहली बार वर्ष 1989 में वी.पी.सिंह की सरकार की कैबिनेट में उद्योग मंत्री के रूप में शामिल किया गया था। 2001 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में उन्हें केन्द्रीय कृषि मंत्री बनाया गया। 2004 में वे बागपत से पांचवें कार्यकाल के लिए 14वीं लोकसभा के लिए फिर से चुने गये। इस साल उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार को दो लाख बीस हजार से अधिक मतों के भारी अंतर से हराया। 2009 में उन्हें लोकसभा में संसदीय दल का नेता चुना गया। 2009 बागपत से छठा कार्यकाल पूरा करने के लिए उन्हें 15वीं लोकसभा के लिए फिर से चुना गया। साल 2011 में उन्हें मनमोहन सरकार में केन्द्रीय कैबिनेट में नागरिक उड्डयन मंत्री बनाया गया। चौधरी अजीत सिंह ने नरसिंह राव से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह की सरकारों में केन्द्रीय मंत्री के रूप में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कैबिनेट में उद्योग मंत्री रहते हुए उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक गन्ना मिलों की स्थापना भी करवाई, गन्ने की बढ़ती पैदावार को देखते हुए किसानों की मांग पर गन्ना मिलों के बीच की दूरी जो 35 किमी निर्धारित थी उसे घटाकर 15 किमी कराया। किसानों को कृषि आदानों पर अनुदान और दूसरी सुविधाओं में विस्तार किया। वे भले ही कांग्रेस–भाजपा जैसी किसी भी पार्टी की सरकार में रहे हों, मगर राष्ट्रीय लोकदल के विलय के प्रस्ताव को कभी स्वीकार नहीं किया। इस साल 28 जनवरी 2021 को कुछ असामाजिक लोग संयुक्त किसान मोर्चा के अन्तर्गत भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष श्री राकेश टिकैत के गाजीपुर बार्डर के तम्बू तोड़ने पहुंचे, तो राकेश टिकैत को सम्बल देता सबसे पहला फोन चौधरी अजीत सिंह का आया था कि 'घबराओ नही हम तुम्हारे साथ हैं' और अगले दिन प्रातः में ही अपने बेटे पार्टी उपाध्यक्ष जयन्त चौधरी को किसान आंदोलन स्थल पर भेज दिया।

स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह जी राजनीति के मझे हुए कद्दावर नेता थे। कोई भी जब अपनी परेशानी लेकर उनसे मिलने जाते थे तो तमाम व्यवस्तताओं के बावजूद वे हमेशा उपलब्ध रहते थे। उन्हें कभी इस बात का घमंड नहीं रहा कि वे एक बड़े नेता हैं और न ही सामने वाले को अहसास होने दिया कि वह उनसे उम्र और हैसियत में छोटा है। जाट नेता होने के बावजूद उन्होंने कभी भी किसी भी जाति के लोगों के साथ भेदभाव नहीं किया, बल्कि दूसरे जाति–धर्म के लोगों की ही अधिक सुनते और उनकी मदद करते थे।

स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह के निधन से देश और किसान समाज को भारी क्षति हुई है जिसकी क्षतिपूर्ति कर पाना हम सब के लिए असम्भव है। उनके निधन से हम सबने एक किसान व मजदूर हितैषी देश सेवक तथा महान नेता खो दिया है। वे राजनीति में किसानों की एक बहुत बडी आवाज थे। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के कार्यकारिणी सदस्य एवं संस्था के सभी सदस्य देश एवं जाट जाति की महान शख़्सियत स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तथा परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री सत्येन्द्र कुमार तोमर सुपुत्र श्री आर.एस. तोमर निवासी होटल सोलिटेयर, हरि पर्वत क्रासिंग, एम.जी.रोड़, आगरा, उ.प्र.-282002, का निधन हो गया। स्वर्गीय श्री सत्येन्द्र कुमार तोमर 2010 से 2016 तक सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के कार्यकारिणी के सदस्य तथा वर्तमान में महाराजा सूरजमल संस्थान की गवर्निंग बाडी के सदस्य थे। उनके कार्यकाल में संस्था ने आशातीत सफलता प्राप्त की। स्व. तोमर जी एक सामाजिक व्यक्ति थे तथा आगरा में उनकी सामाजिक तथा व्यवसायकि क्षेत्र में विशेष पहचान थी। उनके निधन से समाज, परिवार तथा सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था की अपूर्णीय क्षति हुई है। दुःख की इस घड़ी के समय हम सभी सदस्य उनके परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हैं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री अजीत सिंह डबास सुपुत्र स्वर्गीय चौ. शेर सिंह निवासी मकान नं. 11, पाकेट नं. 7, सेक्टर 22 रोहिणी, दिल्ली (मूल निवासी गांव व डाक माजरा डबास, दिल्ली-81), का आकस्मिक निधन 27 अप्रैल 2021 को हो गया। स्वर्गीय श्री अजीत सिंह डबास संस्था के फाईनेंस कमेटी के चेयरमैन श्री ब्रहमदेव डबास जी के छोटे भाई थे। स्व. श्री अजीत जी ने हंसराज कालेज से स्नातक डिग्री प्राप्त की थी तथा यहां वे स्टुडेंट यूनियन के सक्रिय सदस्य रहे एवं कुछ समय तक यूनियन सेक्रेटरी पद का भी निर्वहन भी किया। उसके पश्चात दिल्ली एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड में कार्यरत रहे और अप्रैल 2016 में सेवानिवृत्त हुए थे। वे सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सक्रिय सदस्य थे तथा संस्था द्वारा आयोजित लगभग सभी गतिविधियों में शामिल रहते थे। स्व. श्री अजीत सिंह डबास जी के आकस्मिक निधन से परिवार तथा सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था को अपूर्णीय क्षति हुई है। संस्था के सभी सदस्य परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य चौधरी नत्थू सिंह (प्रधान) सुपुत्र श्री लहरी सिंह निवासी 56, मैदान गढ़ी, दिल्ली-110068 का आकस्मिक निधन हो गया। स्वर्गीय श्री नत्थू सिंह भारतीय जाट महासभा के उपाध्यक्ष थे। वे सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सक्रिय सदस्य थे। स्वर्गीय श्री नत्थू सिंह जी के आकस्मिक निधन पर सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था को गहरा शोक हुआ है। संस्था के सभी सदस्य परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य चौधरी रामकरण सोलंकी सुपुत्र स्व. श्री रिजक राम निवासी WZ-933A, पालम गांव, नई दिल्ली-110045 का आकस्मिक निधन हो गया। स्वर्गीय चौधरी रामकरण सोलंकी जी 360 सर्वखाप पंचायत पालम के प्रधान थे। वे एक सामाजिक तथा मिलनसार व्यक्ति थे । स्व. चौधरी रामकरण सोलंकी जी सूरजमल सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सक्रिय सदस्य थे तथा संस्था द्वारा आयोजित प्रत्येक समारोह में उपस्थित रहते थे। उनके आकस्मिक निधन पर सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था को गहरा शोक हुआ है। संस्था के सभी सदस्य परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री जगदेव सिहं, निवासी नरेला, दिल्ली-40, का आकस्मिक निधन हो गया। स्व. श्री जगदेव सिंह दिल्ली बार काउंसलर के सदस्य थे। वे एक उच्चकोटि के वकील तथा सामाजिक व्यक्ति थे। स्व. श्री जगदेव जी सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था की हॉयर एजूकेशन एडवाइजरी कमेटी के सदस्य थे तथा अपना अनुभव वे संस्था के हित में साझा करते थे। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सभी सदस्य उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री जगदेव सिंह सुपुत्र स्व. चौ. हरफूल सिंह, निवासी F-32 ईस्ट ज्योति नगर, दिल्ली-110093 का आकस्मिक निधन 18 अप्रैल 2021 को हो गया। गांव बडोली, बडौत के मूल निवासी स्वर्गीय श्री जगदेव सिंह 1984 में भारतीय एयरफोर्स से सेवानिवृत्त हुए थे तथा अभी मदर डेयरी चला रहे थे। अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड रहा है कि श्री जगदेव जी एवं उनकी धर्मपत्नी का देहान्त कोरोना के कारण एक ही दिन हुआ तथा छः महीने पहले ही उनके जवान पुत्र का भी निधन हो गया था जो महाराजा सूरजमल संस्थान से शिक्षा प्राप्त करके अमरीका में कार्यरत था। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री महेन्द्र सिंह सुपुत्र स्वर्गीय चौ. रघबीर सिंह, निवासी 26, हौज खास विलेज, नई दिल्ली-110016 का आकस्मिक निधन 5 मई 2021 को हो गया। स्व. श्री महेन्द्र सिंह जी सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के पूर्व उपाध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. बलबीर सिंह जी के भाई थे। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सभी सदस्य उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री वीरेन्द्र राठी सुपुत्र स्वर्गीय श्री धर्म सिंह राठी, ई-148 कृष्ण विहार, दिल्ली-110086 का आकस्मिक निधन 4 मई 2021 को हो गया। स्वर्गीय श्री वीरेन्द्र राठी सूरजमल स्मारक शिक्षा समिति की समारोह आयोजन समिति के सदस्य श्री रोहताश राठी जी के बड़े भाई थे। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सभी सदस्य उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करत हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री शोबीर सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री झंडा सिंह, निवासी बाबूगढ कैंट, अयाद नगर, जिला हापुड, उ.प्र. का आकस्मिक निधन 11 मई 2021 को हो गया। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सभी सदस्य उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री जगदीश सिंह सहरावत सुपुत्र स्वर्गीय चौ. प्यारे लाल, निवासी A-82, सेक्टर 19, द्वारका, नई दिल्ली-110075 का आकस्मिक निधन हो गया। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सभी सदस्य उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री सरदार सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री जुगलाल, निवासो गांव नवादा, उत्तम नगर, दिल्ली-110059 का आकस्मिक निधन हो गया। स्व. श्री सरदार सिंह जी दक्षिण दिल्ली नगर निगम के पूर्व चेयरमैन एवं मटियाला दिल्ली के पूर्व विधायक श्री राजेश गहलोत जी के पिता थे। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सभी सदस्य उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

हमें यह जानकर अत्यंत दुख हुआ कि सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री आर.पी. सोलंकी जी की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज देवी जी, निवासी 28बी, आलोक नगर, जयपुर हाउस, आगरा, उ.प्र., का निधन हो गया। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सभी सदस्य श्रीमती सरोज देवी जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री महीपाल सिंह सुपुत्र स्व. उमराव सिंह, निवासी पटटी महर, नवयुग कालोनी, बडौत, बागपत, उ.प्र., का 7 मई 2021 का आकस्मिक निधन हो गया। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सभी सदस्य उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य श्री सूरजबली सुपुत्र स्व. श्री गंगाराम, निवासी नियर पटटी महर, कस्बा बडौत, बागपत, उ.प्र., का 28 अप्रैल 2021 को आकस्मिक निधन हो गया। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के सभी सदस्य उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड रहा है कि महाराजा सूरजमल तकनीकी संस्थान के सीनियर अकाउंट आफिसर श्री आशीष सोबती का कोरोना महामारी के कारण निधन हो गया। स्व. श्री आशीष सोबती जी सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के संस्था का पूरा अकाउंट देखते थे। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था की कार्यकारिणी सदस्य एवं स्टॉफ उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

शोक संदेश

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड रहा है कि महाराजा सूरजमल तकनीकी संस्थान में इंस्ट्रक्टर के पद पर कार्यरत श्री आर.के. कौशिक का कोरोना महामारी के कारण निधन हो गया। स्व. श्री आर.के. कौशिक पिछले 32 साल से संस्थान में कार्यरत थे। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था की कार्यकारिणी सदस्य एवं संस्था के सभी स्टॉफ उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

कोरोना महामारी के कारण हमारे कुछ अन्य सदस्य एवं उनके परिवारजन हमसे बिछड़ गयें हैं। सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था की कार्यकारिणी एवं सभी सदस्य उन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा इस दुख की घडी में परिवार के साथ संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे इन परिवारों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। जिन सदस्यों की हमें सूचना मिली थी हमने उनकी सूचना प्रकाशित कर दी है।

Heartiest tributes to Raja Mahendra Pratap great freedom fighter, social reformer, humanitarian and visionary leader. He founded first Indian Government in exile at Kabul on 1-12-1915. For more than 30 years he continued to work for the independence of India from foreign lands. During world war 2 he established Executive board at Japan which led to formation of Azad Hind Fauz. He was promoter of Prem Dharma and World Goverment. He was a visionary leader ahead of his times. Besides Mahatma Gandhi he was the only Indian political leader to be nominated for Noble Award. On this day we again press our long standing demand to honor him with Bharat Ratna Award.

Heartiest tributes to Sri Kumbha Ram Arya Jee. He was an eminent and down to earth Kisan leader and a social reformer.

Kaptan Singh, President SMES Ajit Singh Chaudhary, Secretary, SMES

वैवाहिक सूचना में दी गई जानकारी की जाँच-पड़ताल इच्छुक सज्जन स्वयं करें। सूरज-सुजान का सूचना की सत्यता की पुष्टि का दायित्व नहीं है।

वधू चाहिये

16961 मुरादाबाद(उ.प्र.), 32/5'11", एमडीएस, मेडिकल आफिसर-त्रिपुरा सरकार, 8 लाख वार्षिक, पिता रिटा. डीएसपी-उ.प्र. पुलिस, माता गृहिणी, एक बडा भाई-आर्थो सर्जन, वरीयता-एमडीएस/बीडीएस, गोत्र-देहरान, राठी, टोकस, 9927945081, 9412506639, anildau@yahoo.com

17014 हरियाणा/दिल्ली, 1984/5'8", एमबीए, एमसीए, इंजीनियर-एमएनसी, 10 लाख वार्षिक, तलाकशुदा(शादी एक दिन मात्र), शहरी-ग्रामीण सम्पति, पिता गजेटिड आफिसर, माता गृहिणी, वरीयता-अच्छा परिवार/एचटेट/सीटेट, गोत्र-राणा, पन्नू, 9958144145

17015 दिल्ली/एनसीआर, 37/6', बीटेक-मैकेनिकल, एमएस, टेक्लीकल लीडर-Rolls Royce यूके, 30-35 लाख वार्षिक, शहरी-ग्रामीण सम्पति, पिता रिटा. कर्नल-आर्मी, माता गृहिणी एवं टीचर, बहन विवाहित-इंजीनियर(एमएनसी), वरीयता-सिंपल/सरल/शिक्षित, गोत्र-नौहवार, हिंडोल, 9427845618, 9426773617, shiv.singh0864@gmail.com

17057 दिल्ली, 1989/5'8", एमए, जेबीटी, सीटेट, एचटेट पास, पिता रिटा. बैंक अधिकारी, भाई, बहन टीचर, दिल्ली हरियाणा में शहरी-ग्रामीण सम्पति/कृषिभूमि, वरीयता-सुंदर/सुशील/शिक्षित, गोत्र-मान, धुल, 9211906084, 8376009338

17060 दिल्ली, जुलाई 1995/5'11", बीटेक-सीएसई, साफ्टवेयर डेवलपर-Andocs लि., 6 लाख वार्षिक, पिता सरकारी नौकरी, माता गृहिणी, एक बहन-विवाहित (एमडी-कैंसर स्पेशलाईजेशन), वरीयता-मिडिल क्लास न्यूक्लीयर फेमिली/सेटल्ड इन दिल्ली, गोत्र-दहिया, गुलिया, जून, 9811676834, 9953225035, hmntkmr46@gmail.com

17061 दिल्ली/एनसीआर, सितंबर 1992/5'10", बीएससी, एमएससी, एमसीए, SAP कंसलटैंट (साफ्टवेयर इंजीनियर)-एचसीएल नोएडा, 5.50 लाख वार्षिक, पिता हेड कांस्टेबल-दिल्ली पुलिस, माता गृहिणी, छोटा भाई-एमएससी (UPSC तैयारी), वरीयता-वेल एजूकेटेड-बीकाम/बीएससी/एमकाम/बीटेक/एमसीए/एमटेक, गोत्र-छिकारा, राणा, सहरावत, 9910404062, 7982271964

17063 दिल्ली/मुंबई, 30/6', बीटेक, एमबीए(NMIMS), कार्यरत E&Y कम्पनी मुंबई, 25 लाख वार्षिक, पिता बिजनेस-एमबीए, माता गृहिणी, बहन विवाहित, वरीयता-वेल एजूकेटेड/एमएनसी कार्यरत, गोत्र-डबास, भूखडा, पवार, 9619510450

17064 दिल्ली, मार्च 1992/5'11", बीए-डीयू, ई-कामर्स बिजनेस, 30-50 हजार मासिक, पिता सरकारी नौकरी, माता गृहिणी, बडा भाई बीटेक-ईसीई (सरकारी नौकरी में चयनित, ज्वाइनिंग बाकी), वरीयता-वेल एजूकेटेड/सुंदर/संस्कारी, गोत्र-खर्ब, सहरावत, 9911151581

17070 दिल्ली, अप्रैल 1994/5'8", बीटेक-आईटी (आईपीयू दिल्ली), एसोशिएट कंसलटैंट लाइफ साइंस-एक्सटेरिया कम्पनी गुरुग्राम, 11 लाख वार्षिक, पिता मैनेजर-पतंजलि आयुर्वेद लि., माता गृहिणी-एमए/बीएड, बहन एमए-साइकोलाजी, वरीयता-टीचर/बैंकिग /एमएनसी, गोत्र-कादयान, राणा, दहिया, 9810669028, 9999530517

17076 सोनीपत, 25/6', बैचलर इन कंस्ट्रक्सन मैनेजमेंट(H)शिक्षारत-RMIT यूनि. मेनबर्न आस्ट्रेलिया, पार्टटाइम कार्यरत-आस्ट्रेलिया, पिता सरकारी नौकरी, माता गृहिणी, बडी बहन-आस्ट्रेलिया में वर्क परमिट पर, वरीयता-इंजीनियर/डाक्टर/बीएससी नर्सिंग-आस्ट्रेलिया/भारत से, गोत्र-राणा, डबास, लोहमोर, 9416889380

17078 दिल्ली, 1994/5'6",ग्रेजूएट, कैप्टन-थल सेना, 12 लाख वार्षिक, पिता रिटा.-आर्मी (कार्यरत पीएसयू), माता गृहिणी, बहन कैप्टन-थल सेना, कृषिभूमि-रोहतक, वरीयता-समकक्ष/लेक्चरर/ पीओ-सरकारी बैंक/ए श्रेणी आफिसर, गोत्र-बजाड, दहिया, दुहन, 9999513986

17081 दिल्ली, अक्तूबर 1993/5'10", एमबीबीएस (एचआर) रोहतक, कार्यरत सरकारी हास्पिटल दिल्ली (दो साल), पिता बिजनेसमैन, एक बहन विवाहित (एमए/बीएड, टीजीटी-सरकारी स्कूल), एक भाई विवाहित-कार्यरत, हरियाणा में कृषिभूमि/मकान, दिल्ली में किराये की प्रापर्टी/कृषिभूमि, गोत्र-सोलंकी, डागर, 9210456866, 9990199908

17094 दिल्ली, 32/5'6", एमटेक-डीटीयू दिल्ली, कार्यरत एमसीडी दिल्ली-लिखित परीक्षा पास (पूर्व असि. प्रोफेसर-गेस्ट फैकल्टी)-डीटीयू दिल्ली), पिता रिटा. ग्रेड-1 आफिसर, माता गृहिणी, दो बहने-विवाहित(सरकारी टीचर), अपना मकान दिल्ली, 13 एकड कृषिभूमि-हरियाणा, वरीयता-समकक्ष, गोत्र-दहिया, माथुर, डाँगी, 9990969787

17098 गोहाना, 27/6'1", डिप्लोमा इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इंजीनियर-एनसीआर, 4 लाख वार्षिक, पिता जमींदार, माता रिटा. टीचर, गांव में कृषिभूमि, शहर में अपना मकान/जमीन, भाई-बहन विवाहित, वरीयता-शिक्षित परिवार/समकक्ष, गोत्र-मोर, मलिक, बुधवार, 9896788168

17101 एनसीआर(प.उ.प्र.), 30/5'6", एमटेक-आईटी (आईपीयू दिल्ली), जीएसटी इंस्पेक्टर-4600 पे स्केल, पिता अपना व्यवसाय (किसान), माता गृहिणी, बडी बहन-बीएएमएस डाक्टर (विवाहित), छोटी बहन-बीएएमएस, एमडी शिक्षारत, वरीयता-कद 5'4"/कार्यरत/वेल एजूकेटेड-साइंस स्ट्रीम, गोत्र-लाकडा, लाटीयान, 9756367119, 8979847719, medhalakra095@gmail.com

17104 दिल्ली, अक्तूबर 1993/6'1", सीए, बीकाम-आनर्स, एसोसिएट फाईनेंस-इन्फोसिस, 10 लाख वार्षिक, पिता-अपना काम, माता गृहिणी, दो बहने-विवाहित (सरकारी नौकरी, एक चीफ मैनेजर-PSB,दूसरी टीचर), वरीयता-सरकारी नौकरी, गोत्र-छिकारा, छिल्लर, लोहचब, तंवर, 7838632927, chhikara.azad93@gmail.com

17105 दिल्ली/सोनीपत, सितंबर 1991/5'9", बीटेक-ईसीई, टीम लीडर-ग्लोबल बिग-4 कं. गुरुग्राम(एमएनसी), 18 लाख वार्षिक(50 लाख वार्षिक पारिवारिक), पिता XEN-दिल्ली सरकार, माता गृहिणी, एक बडी बहन-विवाहित (एमएनसी), वरीयता- दिल्ली/हरियाणा निवासी/कार्यरत एमएनसी/सरकारी/एजूकेटेड फेमिली, गोत्र-मान,धनखड, 9810152226, 9953952720

17107 दिल्ली, 28/5'11", होटल मैनेजमेंट, एमबीए-मार्केटिंग, अपना बिजनेस, पिता डीडीए कान्ट्रैक्टर, माता टीचर-सरकारी स्कूल, इकलौती संतान, वरीयता-आईटी इंजीनियर/टीचर, गोत्र-छिल्लर, सनसनवाल, राठी, 9811555806, 9213931376, 011-27026486

17109 दिल्ली, 27/6', बीटेक-सिविल, पटवारी-डीडीए, पिता रिटा. -सरकारी नौकरी, भाई सरकारी नौकरी, वरीयता-दिल्ली में सरकारी नौकरी, गोत्र-सिंगरोहा, श्योखंद, सिद्धु, 9868104689, 8940209151

17110 दिल्ली, 32/6'4", बीए.एलएलबी, प्रैक्टिसिंग लॉयर, 40-50 लाख वार्षिक, पिता रिटा.-सीनियर सरकारी आफिसर, माता, एक भाई अपना बिजनेस-विवाहित, दो बहने-दोनो टीचर (बडी बहन विवाहित),अपना फ्लैट एवं कृषिभूमि, वरीयता-कार्यरत, गोत्र-राठी, सोलंकी, गहलोत (दहिया,गुलिया), 8287261334, ysrathee@gmail.com

17111 दिल्ली, 32+/5'9", बीटेक-आईटी, एमबीए, सीनियर मैनेजर-सिटी बैंक दिल्ली, पिता रिटा.इंस्पेक्टर-दिल्ली पुलिस, दो बडे भाई-विवाहित (दोनो सरकारी नौकरी), एक बहन-कार्यरत एमएनसी गुरुग्राम, गोत्र-दहिया, मलिक, शौकीन, 9319740197, 9999851885, 9811418565, amitdahiya88@gmail.com

17113 दिल्ली, अक्तूबर 1990/6', बीबीए, सिविल सर्विस/सरकारी नौकरी की तैयारी, पिता बिजनेसमैन (7 लाख वार्षिक किराया आमदनी), माता अध्यापिका- सरकारी नौकरी, तीन बहनें-विवाहित(बीए, बीएड), वरीयता-ग्रेजूएट/सुंदर/लंबी/टीचिंग/बैंकिंग की तैयारी, गोत्र-सांगवान, तक्षक, राणा, दलाल, 9313084631, 7428426425

17114 बागपत/उ.प., मार्च 1992/5'7", एमएससी-केमिस्ट्री(डीयू), बीएससी-सेंट स्टीफन, स्कूलिंग-जवाहर नवोदय विद्यालय, असि. कमाडेंट-ITBP (क्लास-1 आफिसर), 8.5 लाख वार्षिक, माता गृहिणी, दो बडे भाई (बडा भाई-एयरफोर्स), एक बडी बहन-सभी विवाहित, वरीयता-केन्द्रीय विद्यालय टीचर/सरकारी बैंक, गोत्र-उज्जवल, राठी, 9818102115, 9765610832

17116 सोनीपत (हरियाणा), अक्तूबर 1993/6', बीटेक, एमटेक, पीएचडी-सिविल इंजीनियरिंग, सरकारी कान्ट्रैक्टर, 39 लाख वार्षिक, पिता क्लास-1 सरकारी अधिकारी, माता सरकारी लेक्चरर, बहन सरकारी प्राध्यापिका, भाई-भाभी दानो डाक्टर, वरीयता-सुंदर/सुशील/संस्कारी, गोत्र- दहिया, अहलावत, 8278490000, 9466589000, doctorritudahiya@gmail.com

17117 दिल्ली, 28/6', बीए, प्रोपर्टी बिजनेस, 6 लाख वार्षिक, अपनी प्रोपर्टी दिल्ली-रोहिणी, 2.5 लाख मासिक रेंटल इन्कम, पिता स्वर्गवासी, माता गृहिणी, एक छोटा भाई-लंदन यूके, वरीयता-दिल्ली/एनसीआर/कद 5'5", गोत्र-राणा, डबास, दलाल, 9599131913

17118 दिल्ली, 26/5'7", बीटेक, सरकारी नौकरी-एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया, 1.2 लाख मासिक, पिता प्रोपर्टी बिजनेस, माता गृहिणी, बडी बहन-विवाहित, छोटा भाई बीटेक शिक्षारत, वरीयता-सरकारी नौकरी/कद 5'3", गोत्र-दहिया, डबास, पंवार, 9278913938, 9650515287, amitdahiya3.ad@gmail.com

17120 दिल्ली, जुलाई 1990/5'7", बीटेक-मैके., अपना बिजनेस-फाइन आर्ट एवं रेंटल इन्कम, पिता डाक्टर, माता गृहिणी-एमकाम/बीएड, भाई सेटल्ड-यूएस, वरीयता-दिल्ली/एनसीआर बेस्ड-फाइन आर्ट साइड, गोत्र-गहलोत, नैन, गुलिया, 9818671990

17121 दिल्ली, अगस्त 1989/5'10", बीएससी-कम्प्यूटर साइंस(यूएस), कार्यरत-शिकागो यूएस, एक लाख डालर वार्षिक, पिता डाक्टर, माता गृहिणी-एमकाम/बीएड, भाई बीटेक-मैके. (अपना बिजनेस-फाइन आर्ट), वरीयता-दिल्ली/एनसीआर/यूएस में शिक्षारत/कार्यरत, गोत्र-गहलोत, नैन, गुलिया, 9818671990

17124 गाजियाबाद, 28/5'9", बीकाम, कार्यरत दिल्ली, 6 लाख वार्षिक, पिता बिजनेस, माता गृहिणी, एक बहन-विवाहित, गोत्र-चिकारा, तेवतिया, 9268765362

17125 दिल्ली, 29/6', बीटेक-मैके., कार्यरत एक्सक्यूटिव-मैक्स लाइफ गुरुग्राम, पिता ASI-दिल्ली पुलिस, माता गृहिणी, एक छोटा भाई-सरकारी नौकरी, गोत्र-गुलिया, गहलोत, जाखड, 9818280605

17125 दिल्ली, 26/6', ग्रेजूएशन, LDC-दिल्ली सरकार (सरकारी नौकरी), पिता ASI-दिल्ली पुलिस, माता गृहिणी, एक भाई-कार्यरत, वरीयता-सरकारी नौकरी/कार्यरत, गोत्र-गुलिया, गहलोत, जाखड, 9818280605

17129 दिल्ली, जून 1993/5'7", MBBS, MD-रेडियोडाइग्नोसिस (फाईनल ईयर), कार्यरत बाम्बे हास्पिटल मुंबई, 65 हजार मासिक, पिता उ.निरीक्षक-दिल्ली पुलिस, माता गृहिणी, एक बडी बहन पीजीटी साइंस-दिल्ली सरकार, दूसरी एमएससी फिजिक्स(पीएचडी शिक्षारत), वरीयता-डाक्टर (एमडी/एमएस), गोत्र-दहिया, सिवाच, अंतिल, 9891753573, 8368645842, sdahiya.838@gmail.com

17130 दिल्ली, 27/6'3",स्नातक-हिन्दू कालेज(डीयू),ASO-विदेश मंत्रालय (भारत सरकार, 4600 पेग्रेड), पिता ASI-दिल्ली पुलिस, माता गृहिणी, इकलौता, वरीयता-विदेश मंत्रालय में कार्यरत/दिल्ली में सरकारी नौकरी /पीजीटी/सहायकप्रोफेसर/सरकारी रिसर्च, गोत्र-राणा, मान, 9810687115

17134 गुरुग्राम, 1991/5'9.5", बीकाम, रीयल एस्टेट कंसलटेंसी, वेल सेटल्ड/शिक्षित-गुडगांव बेस्ड परिवार, शहरी/ग्रामीण सम्पति-गुरुग्राम (रेंटल इन्कम), वरीयता-सुशिक्षित/सुशील/कद 5'4"+, गोत्र-लांबा, पंजेटा, कुंडू, 9310795250

17136 रेवाडी/हरियाणा, 29/5'11", स्कूलिंग डीपीएस, बीटेक-सीएस, MBA, साफ्ट. इंजीनियर-पूना, 6 लाख वार्षिक, पिता रिटा. कर्नल-आर्मी, माता गृहिणी-एमएससी/एमफिल, छोटा भाई-शिक्षारत(पीएचडी-यूएसए), अपना मकान-रेवाडी/फ्लैट-गुरुग्राम, वरीयता-सुंदर/सभ्य/वेल एजूकेटेड/टीचिंग लाइन, गोत्र-सुहाग, फोगाट, अहलावत, 9467173433, 9896997891

17137 दिल्ली, 47/6', बीटेक, एमबीए-यूएस, एमएससी(अकाउंट)-यूएसए, कार्यरत वर्ल्ड बैंक-वाशिंगटन यूएसए, पिता रिटा. लेक्चरर-दिल्ली सरकार, माता रिटा. एस.पी.ई.-दिल्ली सरकार, वरीयता-घरेलु, गोत्र-दहिया, राणा, टांक, 9810705127, balbirsingh10061941@gmail.com

17138 बहादुरगढ/दिल्ली, जून 1994/5'10", बीएससी, सब इंस्पेक्टर-दिल्ली पुलिस, पिता बिजनेस, माता गृहिणी, दो बहने-विवाहित, एक भाई-विवाहित, वरीयता-सरकारी नौकरी (दिल्ली/एनसीआर), गोत्र-दराल, गहलावत, तहलान, 9999293866

17141 पंचकुला/हरियाणा, 39/6', बीटेक, एमबीए, अपना व्यवसाय, 30 लाख वार्षिक, पिता रिटा. महाप्रबंधक-हरियाणा परिवहन, बडा भाई-भाभी (दोनो डाक्टर, उच्चशिक्षित), वरीयता-समकक्ष शिक्षित/सभ्य/सुशील/कुलीन परिवार, गोत्र-लांबा, श्योराण, 9988414515, rslamba3966@gmail.com

17142 दिल्ली, 1983/5'9", बीकाम, कम्प्यूटर डिप्लोमा, अपना व्यवसाय, पिता व्यवसायी, माता गृहणी, भाई एमएनसो कार्यरत, वरीयता-दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान गोत्र-गहलोत, श्योराण, धनकड़, 8826215183, 7982777031

17143 दिल्ली, अप्रैल 1990/6', बीसीए, बीए, एलएलबी शिक्षारत, जेबीटी, सीटेट, सेलेक्सन (क्लर्क)-एमसीडी दिल्ली, पिता रिटा.लेक्चरर, माता गृहिणी, दो बहने-विवाहित (दिल्ली सरकार में कार्यरत), वरीयता-ग्रेजूएट/कद5'4" या ऊपर, गोत्र-दहिया, खत्री, सरोहा, 8384081600, 9990437650

17144 सोनीपत, फरवरी 1984/6'1", तलाकशुदा, बीटेक, एमबीए, कार्यरत एमएनसी गुरुग्राम, माता-पिता रिटायर्ड, भाई उच्च अधिकारी-केन्द्र सरकार (विवाहित), वरीयता-सुंदर/सुशील/शिक्षित/घरेलु, गोत्र-जटराणा, सांगवान, गुलिया, 7015962948, 7015726885

17145 चंडीगढ/सोनीपत, 33/5'8", बीटेक-ईसीई, एमएस-वाशिंगटन डीसी-यूएसए, सीनियर इंजीनियर-डैल सिक्यूरज-शिकागो यूएसए, अच्छा पैकेज, पिता रिटा. सिविल इंजी.-केन्द्र सरकार, माता गृहिणी, छोटी बहन-BDS/MPH, गांव में कृषिभूमि/जमीन/प्लाट, वरीयता- MD/MS/MBBS/USMLE क्लीयर्ड/यूएस H-1 बीजा/इंजीनियर, गोत्र-दहिया, खत्री, तहलान, 8396824261, ssdahiya1960@gmail.com

17148 दिल्ली, 30/5'11", एमबीए, कार्यरत एमएनसी गुरुग्राम, 7.5 लाख वार्षिक, पिता व्यवसायी, माता गृहिणी, वरीयता-शिक्षित/सुंदर/ संस्कारी/टीचर, गोत्र-लांबा, छिकारा, तोमर, 7015456483, 9650697718

17149 दिल्ली, जून1988/5'9", एमबीबीएस, एमडी- इनेस्थीसिया, एसआर-लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज दिल्ली, 14.4 लाख वार्षिक, पिता व्यवसायी, माता गृहिणी, दो छोटे भाइ(एक भाई बीए/बीएड-विवाहित, दूसरा डाक्टर-एमबीबीएस/एमएस), गोत्र-खत्री, हुडडा, माल्याण, 9968209760, 7701800743

17149 दिल्ली, जुलाई 1992/5'10", MBBS, MS, एसआर-लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज दिल्ली, 14.5 लाख वार्षिक, पिता व्यवसायी, माता गृहिणी, दो बडे भाई, बडा एमबीबीएस (एमडी), दूसरा व्यवसायी, वरीयता-गायनोलोजिस्ट, गोत्र-खत्री, हुडडा, माल्याण, 9968209760, 7701800743

17153 कुरुक्षेत्र, 26/5'7", एमबीबीएस, मेडिकल आफिसर (सरकारी) कुरुक्षेत्र, पिता क्लास-1 सेवानिवृत्त अधिकारी-डाक्टर, माता पीएचडी-शिक्षा विभाग हेड कार्यरत (सरकारी), बहन इंजीनियर-विवाहित, वरीयता-एमबीबीएस डाक्टर/HCS/IAS/प्रोफेसर/सरकारी सेवा, गोत्र-छिकारा, अहलावत, नेहरा, 9416266636, 9812022055

17156 दिल्ली, 31+/6', डिग्री इन नौटिकल साइंस(यूके) मर्चेंट नैवी, थर्ड आफिसर, 1500 डालर मासिक, माता-पिता, एक भाई-विवाहित, वरीयता-सुंदर/सुशील/शिक्षित/कार्यरत दिल्ली, गोत्र-पानु, राणा ओहल्याण, 9811486577, 9811871719

17157 दिल्ली/हरियाणा, नवंबर 1991/6', एमटेक-मैके., इंजीनियर-कनाडा, 31 लाख वार्षिक, पी.आर कनाडा, पिता रिटा. एयरफोर्स, माता गृहिणी, बडा भाई सेटल्ड जापान, छोटा भाई शिक्षारत, वरीयता-कार्यरत -MBA/IT/साइकोलाजी/बायोटेक/मेडिसिन/सुंदर/कनाडा में शिक्षारत, गोत्र-जटराणा, मलिक, दहिया, 9213136335, 8595552311, 9289471289,

17159 दिल्ली, 33/5'10", एमबीए, एलएलएम, एडवोकेट-दिल्ली हाईकोर्ट, 7 लाख वार्षिक, पिता एडवोकेट, माता गृहिणी, बहन पीजीटी, वरीयता-सरकारी नौकरी/वेल एजूकेटेड फेमिली, गोत्र-छिल्लर, पवार, सोलंकी, 9599321981

17163 दिल्ली, अगस्त 1985/5'10", एमबीए, डबल एमए, पीजीडीसीए, UDC-दिल्ली सरकार, 6 लाख वार्षिक, पिता रिटा. आफिसर-दिल्ली सरकार, वरीयता-दिल्ली में सरकारी नौकरी, गोत्र-मान, जटराणा, 9818594272, 7982299638

17164 दिल्ली, नवंबर 1995/5'10", बीबीए-आईपी यूनिवर्सिटी, एमबीए-पुणे, डिप्टी मैनेजर-ICICI बैंक दिल्ली, 5 लाख वार्षिक, पिता बिल्डर, माता गृहिणी, इकलौता पुत्र, वरीयता-कार्यरत, गोत्र-दहिया, मान, धौंचक, 9350350784, vinod-dahiya241@gmail.com

17166 सोनीपत/हरियाणा, जनवरी 1998/6', बीबीए, एलएलबी-फाईनल ईयर (एमडीयू), पिता रिटा. सब इंस्पेक्टर-हरियाणा पुलिस, माता गृहिणी, दो भाइ, एक बहन, वरीयता-एजूकेटेड, गोत्र-दहिया, मान, धौंचक, 9518188640, balwandahiya1958@gmail.com

17168 दिल्ली, दिसंबर 1995/6', बीए शिक्षारत, कार्यरत दिल्ली पुलिस, पिता बिजनेसमैन, माता गृहिणी, एक बडी बहन, एक छोटा भाई, वरीयता-अच्छा परिवार, कार्यरत/बिनाकार्यरत/सुंदर, गोत्र-खत्री, कुंडू, भनवाला, 9716623156, 9210371646

17169 दिल्ली, 29/6'1", बीटेक-इलेक्ट्रोनिक्स(आईपीयू), एमटेक-आईआईटी कानपुर, सीनियर इंजीनियर-क्वाल्मकोम बंगलोर, 18 लाख वार्षिक, पिता स्वर्गवासी, माता गृहिणी, एक छोटा भाई, वरीयता-कार्यरत/ बीटेक/एमटेक, गोत्र-मान, खुटैल, पवार, 8810489842, 9650197280

17170 दिल्ली/राजस्थान, मार्च 1996/5'8", बीकाम आनर्स-डीयू, एमबीए-इंटरनेशनल बिजनेस, अपना बिजनेस-MRF टायर फ्रेंचाइज शोरूम, पिता बिजनेस, माता गृहिणी, बडा भाई-एमबीए फाईनेंस (कार्यरत एमएनसी पुणे), भाभी सीएस, वरीयता-वेल एजूकेटेड फेमिली/टीचर या-हेल्थ विभाग (दिल्ली केवल), गोत्र-बागडिया, लोचिब, रोलन, साई, 9250906162, 8510025151

17171 दिल्ली/राजस्थान, मार्च 1996/5'9", बीए ईकोनोमिक्स-डीयू, एलएलबी लॉ सेंटर II-डीयू, एक साल प्रैक्टिस-दिल्ली हाईकोर्ट/डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, पिता-टायर शोरूम, माता गृहिणी, छोटी बहन-मास्टर डिग्री (फैशन डिजाईनर), छोटा भाई-बीबीए (प्रथम वर्ष), वरीयता-टीचर/एडवोकेट/सरकारी नौकरी/वेल एजूकेटेड, गोत्र-बागडिया, लोचिब, गोदारा, सांगवान, 9667920819, 9250906162

17172 गुरुग्राम, 31/6'2", एमबीए, असि. मैनेजर-काग्नीजेंट गुरुग्राम, 10 लाख वार्षिक, पिता स्वर्गवासी, माता गृहिणी, रेपुटेड फेमिली-गोहाना, बहन असि. प्रोफेसर-MSI (विवाहित), वरीयता-अच्छा परिवार/शिक्षित/संस्कारी, गोत्र-ढिल्लों,घनघस, मलिक, 9899877670, manishdalal84@gmail.com

17173 दिल्ली 27/5'8", बीटेक, हेड कांस्टेबल दिल्ली-पुलिस (कम्यूनिकेशन), पिता बिजनेस, माता गृहिणी, केवल एक भाई-केन्द्र सरकार इंस्पेक्टर, वरीयता-सरकारी नौकरी/अच्छी शिक्षित, गोत्र-धनखड, बाल्याण, राणा, 9871025960

17175 गुरुग्राम, मार्च 1988/6'2", पीजी एलएलबी-डीयू, कार्यरत लॉयर-पटियाला हाउस कोर्ट दिल्ली, 6+ लाख वार्षिक (20 लाख वार्षिक पारिवारिक आय), 4 एकड कृषिभूमि-गांव, डबल स्टोरी मकान-गुरुग्राम, माता-पिता दोनो रिटा.-सरकारी आफिसर, दो बहने-विवाहित (कार्यरत), वरीयता-कार्यरत/बीटेक/एमटेक/एमबीए/समकक्ष/जन्म 1992 या बाद म, गोत्र-धनखड, चौदहराणा, बलहारा, 9315205875, sumitra.dhankhar@gmail.com

17178 दिल्ली 27/6', बीटेक-मैकेनिकल (प्रथम डिविजन), एरिया मैनेजर (सेल्स/सर्विस)-एस्टल क्लीनटेक प्रा.लि. नोएडा, पिता-सरकारी वरिष्ठ अधिकारी-दिल्ली, माता गृहिणी (ग्रेजूएट), छोटी बहन-बीएड, एमए शिक्षारत(पीआरटी टीचर-नोएडा), वरीयता-शिक्षित/कार्यरत/एनसीआर/दिल्ली ,गोत्र-तेवतिया, सिन्धिया, कुंडू, 9971010579, 8929919970, ptevathia@yahoo.co.in

17179 दिल्ली जुलाई 1993/5'8", ग्रेजूएट, पीआरटी टीचर-दक्षिण दिल्ली नगर निगम, 7.5 लाख वार्षिक वेतन+12 लाख कृषि आय, 19 एकड भूमि व 6 आवासीय भूखंड-दिल्ली/गुरुग्राम, माता-पिता, केवल एक छोटा भाई, वरीयता-सरकारी टीचर, गोत्र-रोज, सहरावत, 9868242492

वर चाहिये

17057 दिल्ली, 1987/5'3", एमए, बीएड द्वितीय वर्ष, सीटेट, एचटेट पास, एमसीडी टीचर (कान्ट्रैक्ट), 32 हजार मासिक, पिता रिटा. बैंक अधिकारी, भाई, बहन टीचर, वरीयता-शिक्षित/सुंदर/नौकरी/व्यवसाय, गोत्र-मान, धुल, 9211906084, 8376009338

17069 गोहाना/सोनीपत, 27/5'4", बीए, एमए, जेबीटी, एचटेट, सीटेट, पिता RMP डाक्टर, माता गृहिणी, दो बडे भाई, एक बडी बहन-विवाहित, वरीयता-एजूकेटेड/कार्यरत, गोत्र-मलिक, श्योराण, लाठर, सिवाच, 7391850008, annumalik1991@gmail.com

17070 दिल्ली, 24/5'2", मास्टर इन साइकोलाजी (काउंसलिंग)-एमिटी यूनि. नोएडा, पिता मैनेजर-पतंजलि आयुर्वेद लि., माता गृहिणी, भाई एसोसिएट कंसलटैंट (लाइफ साइंस)-Axteria गुरुग्राम, वरीयता-सरकारी नौकरी/एमएनसी, गोत्र-कादयान, राणा, दहिया, 9999530517,9810669028

17073 दिल्ली, 33/5'5", तलाकशुदा, बीएससी, बीएड-डीयू, सीनियर टैक्स असि0-इन्कम टैक्स (सरकारी), पिता रिटा.-सरकारी नौकरी, माता गृहिणी, एक भाई विवाहित, वरीयता-नौकरी/दिल्ली/एनसीआर, गोत्र-अत्री, खोखर, टोकस, 7838349358, 9818060845, taruntokas1989@gmail.com

17074 गुरुग्राम/दिल्ली, 27/5'3", बीटेक, एमबीए, कार्यरत टीसीएस, 8 लाख वार्षिक, माता-पिता, एक भाई, चार बहने, वरीयता-कार्यरत, गोत्र-कटारिया, दलाल, धनखड, 9773654613, 7400000040

17076 सोनीपत, 27/5'4", मास्टर इन प्रोफेसनल अकाउंटिंग- विक्टोरिया यूनि. सिडनी आस्ट्रेलिया, वर्क परमिट-आस्ट्रेलिया, पिता सरकारी नौकरी, माता गृहिणी, भाई शिक्षारत-मेलबर्न आस्ट्रेलिया, वरीयता-इंजीनियर/डाक्टर/बीएससी नर्सिंग/आस्ट्रेलिया में कार्यरत, गोत्र-राणा, डबास, लोहमोर, 9416889380

17077 दिल्ली, 27/5'4", ग्रेजूएशन, पिता नौकरी, माता गृहिणी, एक भाई शिक्षारत, वरीयता-सरकारी नौकरी/प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी, गोत्र-वोहरे, पचहेरे, 9968275194, 7428733903

17079 दिल्ली, 27/5'4", बीए आनर्स-पालिटीकल साइंस (पोजीशन होल्डर-डीयू), एमए-डीयू, ल्यूटिनेंट-आर्मी, 12-14 लाख वार्षिक, माता-पिता (दोनो लेक्चरर-दिल्ली सरकार), भाई इंस्पेक्टर-एक्साइज, वरीयता-आर्मी आफिसर, गोत्र-दहिया, लांबा, गहलोट, 9868874266, 9868876580

17080 हापुड/उ.प्र., 33/5'3", पीएचडी, बीएससी, एमएससी, जेआरएफ, गेट, असि.प्रोफेसर-IIIT राइचुर तेलंगाना, 20 लाख वार्षिक, पिताा एमए-बिजनेसमैन, माता एमए, एक भाई-बिजनेसमैन, वरीयता-असि. प्रोफेसर/डाक्टर/बीटेक/एमटेक/IPS/IAS, गोत्र-चढढा, सिद्धु, 9690994123

17084 मुजफ्फरनगर, 40/5'1", नेट, एमफिल, पीएचडी-संस्कृत, कार्यरत एडिटिंग कंसलटैंट-नोएडा, 3 लाख वार्षिक, पिता किसान, माता गृहिणी, छोटा भाई-कार्यरत प्राईवेट कम्पनी (विवाहित), वरीयता-टीचर/प्राईवेट-सरकारी नौकरी, गोत्र-जून, पंवार, 9456643166, 9811243911, ashu_1615@yahoo.com

17087 दिल्ली, 28/5'2", एमबीए-फाईनेंस (मेन कैपस आईपीयू दिल्ली), कार्यरत एनालिस्ट गुरुग्राम, 6 लाख वार्षिक, पिता बिजनेसमैन, माता गृहिणी, एक बडी बहन-विवाहित, एक छोटा भाई-बीटेक, वरीयता-एजूकेटेड फेमिली/आयु 26-31/कद 5'7"-5'11", गोत्र-दहिया, खुटेल, सोलंकी, 9911663001, 9212065830

17096 दिल्ली, 25/5'3", एमए-पालिटीकल साइंस(इग्नू), नेट क्वालिफाइड फार असि. प्रोफेसर (पालिटीकल साइंस), पिता बिजनेसमैन -ट्रांस्पोर्टर/बिल्डर, माता गृहिणी, छोटा भाई शिक्षारत-SFU कनाडा, वरीयता-सरकारी आफिसर/बिजनेसमैन, गोत्र-राठी, मान, दहिया, 9818398185, 9212198185, yogendersinghrathee@gmail.com

17106 दिल्ली, 25/5'3", मांगलिक, बीजेएमसी, एमए, बीएड, HR एक्सक्यूटिव-दिल्ली, 2.52 लाख वार्षिक, पिता स्वर्गवासी, माता गृहिणी, छोटा भाई शिक्षारत, बडी बहन विवाहित, वरीयता-मांगलिक/वेल सेटल्ड, गोत्र-दहिया, सोलंकी, डागर, 9250606892

17110 दिल्ली, 42/5'8", बीएससी, जेबीटी, सरकारी प्राईमरी टीचर, 80 हजार मासिक, पिता रिटा. सरकारी अधिकारी-अभी लॉयर, माता, दो भाई-एक विवाहित, एक बहन-विवाहित(कार्यरत), वरीयता-कार्यरत/अपना बिजनेस, गोत्र-राठी (दहिया, गुलिया), सोलंकी, गहलोत, 8287261334, ysrathee@gmail.com

17119 दिल्ली, अगस्त 1995/5'2", बीडीएस, क्लीनिक में कार्यरत, दादा-AFS, पिता इंजीनियर, माता प्रिंसीपल, बहन एमबीबीएस-तृतीय वर्ष, भाई 12वीं शिक्षारत, वरीयता-बीडीएस/पीजी, गोत्र-सोलंकी, ऐटल, डागर, 9540596918, 9873716890

17122 दिल्ली, 32/5'2.5", बीए, जेबीटी, 2 वर्षीय टीचर ट्रेनिंग, पिता सेवानिवृत्त उपनिदेशक-डीडीए, माता गृहिणी, भाई एमबीए-फाईनेंस, गोत्र-सहरावत, 9599927245, dipaksehrawat@gmail.com

17126 दिल्ली, 27/5'8", एमएस(सीएस)-न्यूयार्क यूनि. यूएसए, सीनियर साफ्टवेयर इंजीनियर-VTECH सिस्टम ग्रुप न्यूयार्क, 1.2 लाख डालर वार्षिक, H-1B, पिता आफिसर-एमसीडी, माता गृहिणी, भाई सीनियर साफ्ट. इंजीनियर (वीजा कैलीफार्निया), वरीयता-यूएसए/ कनाडा कार्यरत/समकक्ष/विदेश सेटल्ड होने का इच्छुक/जल्दी शादी, गोत्र-लांबा, चहल, 8588888030, 8800696831

17128 सोनीपत, 1990/5'3", सीए, सीएस, एमकाम, नेट, कामर्स प्रोफेसर-स्वामी श्रद्धानंद कालेज दिल्ली(Adhoc), 11 लाख वार्षिक, सीए की प्रैक्टिस, पिता किसान, एक बडा भाई-विवाहित, तीन बडी बहने-विवाहित, वरीयता-अच्छी शिक्षा/कार्यरत, गोत्र-दहिया, चाहर, सांगवान, 8010842032, 9711423777, renudahiya086@gmail.com

17131 दिल्ली, जनवरी 1993/5'2.5", बीकाम, जेबीटी, प्राईमरी टीचर-एमसीडी (नार्थ, स्थाई), 6.5 लाख वार्षिक, माता-पिता, एक भाई-बीबीए, वरीयता-दिल्ली कार्यरत, गोत्र-दहिया, लाकडा, खत्री, 9868359102, 8800921470, 9466897125

17133 दिल्ली, अक्तूबर 1974/5'5", अविवाहित, एमए-डीयू, वेल कल्चरड/सेटल्ड/मोडिरेट दिल्ली बेस्ड परिवार, भाई-केन्द्र सरकार, माता-पिता स्वर्गवासी, वरीयता-वेल सेटल्ड परिवार/दिल्ली-एनसीआर, गोत्र-गोछवाल, राठी, धनकड, 9811173318, ipskus@rediffmail.com

17133 दिल्ली, मार्च 1977/5'5", अविवाहित, बीए-डीयू, वेल कल्चरड/सेटल्ड/मोडिरेट दिल्ली बेस्ड परिवार, भाई-केन्द्र सरकार, माता-पिता स्वर्गवासी, वरीयता-वेल सेटल्ड परिवार/दिल्ली-एनसीआर, गोत्र-गोछवाल, राठी, धनकड, 9811173318, ipskus@rediffmail.com

17134 गुरुग्राम, 1988/5'3.5", सुशील, स्लिम, बीकाम, एमकाम, सीएस, एलएलबी, मैनेजर (लीगल)-गुरुग्राम, 6-7 लाख वार्षिक, सुशिक्षित परिवार, वरीयता-हरियाणा/दिल्ली/एनसीआर/समकक्ष/स्थापित परिवार, गोत्र-लांबा, पंजेटा, कुंडू, 9310795250

17135 दिल्ली, 28+/5'3", बीटेक, एमबीए शिक्षारत-XLRI, एमबीए से पूर्व ERICSSON में कार्यरत, पिता चीफ जनरल मैनेजर-पीएसयू, माता जनरल मैनेजर-पीएसयू, छोटी बहन-एमबीबीएस, वरीयता -एमबीए/डाक्टर/सरकारी नौकरी, गोत्र-मोटसरा, कुलहेरी, 9310905736

17137 दिल्ली, 49/5'6", एमएससी-जियोग्राफी, बीएड, एमफिल, लेक्चरर-दिल्ली सरकार, पिता रिटा. लेक्चरर-फिजिक्स (दिल्ली सरकार), माता रिटा. एसपीओ, भाई कार्यरत यूएसए, वरीयता-जाट या अन्य, गोत्र-दहिया, राणा, सरोहा, 9810705127, balbirsingh10061941@gmail.com

17140 बहादुरगढ, अगस्त 1992/5'7", कान्वेंट शिक्षित, एमबीबीएस, एमडी शिक्षारत-PGIMS रोहतक, 80 हजार मासिक, पिता रिटा.चीफ मैनेजर-पीएनबी, माता गृहिणी, भाई मैनेजर-HPCL (सरकारी कम्पनी), वरीयता-IAS/IPS/HCS/MD/MS/समकक्ष, गोत्र-चाहर, लाकडा, दलाल, 8527148555, ishwarsdalal@gmail.com

17145 चंडीगढ/सोनीपत, 31/5'5", बीडीएस-पी.यू. चंडीगढ, MPH- PGI चंडीगढ, कार्यरत इंटर्न-सेंट्रल मिनिस्ट्री दिल्ली, पिता रिटा. सिविल इंजी. -केन्द्र सरकार, माता गृहिणी, बडा भाई इंजीनियर-यूएसए (H-1 वीजा),

वरीयता-सरकारी आफिसर/डाक्टर/इंजीनियर(सिविल/डिफेंस/ सिविल सर्विस/कद 5'9"-5'11"/आयु 31-34/एनसीआर, गोत्र-दहिया, खत्री, तहलान, 8396824261, ssdahiya1960@gmail.com

17146 दिल्ली, 34/5'5",बीसीए,आईटी ग्रेजूएट, डी.बी.ए, चीफ एनालिस्ट-एमएनसी बंगलोर, 18 लाख वार्षिक, पिता सीनियर आफिसर, माता गृहिणी, भाई-भाभो कार्यरत एमएनसी यूएसए, वरीयता-शिक्षित परिवार, एनसीआर, गोत्र-चौहान,पूनिया,9654646288, 9899951722, singh.iasri@gmail.com

17147 दिल्ली, जून 1995/5'5", बीटेक, एमटेक-ISM (IGTUW दिल्ली), नेटवर्क सिक्योरिटी इजीनियर-बंगलोर (यूएसए बेस्ड कं.), 14.8 लाख वार्षिक, पिता सरकारी कान्ट्रैक्टर/बिजनेस (बीए), माता एमए/बीएड, कृषि/व्यवसायिक भूमि-साउथ/वेस्ट दिल्ली, वरीयता-समकक्ष कार्यरत/दिल्ली/हरियाणा, गोत्र-सहरावत, जाखड, अहलावत, 9811271204, 9313706265

17150 चंडीगढ, 1988/5'3", पीएचडी (ईको), एमए (ईकोनोमिक्स), नेट क्लीयर्ड-दो बार, असि. प्रोफेसर-चंडीगढ (Adhoc), पिता रिटा. क्लास-2 आफिसर (हरियाणा सरकार), भाई सेटल्ड-यूएसए, गोत्र-दहिया, सहरावत, जटराणा, 9988224040

17152 दिल्ली, 35/5'3", तलाकशुदा, पीएचडी-मैथ, असि.प्रोफेसर-दिल्ली, माता-पिता रिटा.-सरकारी नौकरी, वरीयता-सरकारी नौकरी, गोत्र-डबास, डागर, 8700133239, 9990444569

17154 दिल्ली, 30/5'3", बीफार्मा, एमफार्मा-गोल्ड मेडलिस्ट, पीएचडी-केमिस्ट्री(अन्तिम वर्ष), फेलोसिप भारत सरकार-यंग साइंटिस्ट (28 लाख ग्रांट एवं 50+हजार मासिक), पिता SI-दिल्ली पुलिस, माता गृहिणी, भाई योगा टीचर-प्राईवेट, भाभी-जेबीटी, वरीयता-डाक्टर/पीओ/लेक्चरर/पीएचडी/इंजीनियर, गोत्र-राठी, नेहरा, कुंडू, कटारिया, सुहाग, जून, 9013444332, mahabirrathi9013@gmail.com

17158 प.उ.प्र., 1989/5'4", तलाकशुदा (नाममात्र), बीटेक, एमबीए, डिप्टी मैनेजर-एमएनसी बंगलोर, 20 लाख वार्षिक, पिता रिटायर्ड, माता गृहिणी, एक भाई-साफ्टवेयर इंजीनियर, वरीयता-बंगलोर कार्यरत, गोत्र-गोडियान, अहलावत, 9557781772, 9412834105

17160 दिल्ली, 37+/5'6", एमपीएड, एमफिल, पीजीटी-दिल्ली सरकार स्कूल, 9 लाख वार्षिक, पिता एडवोकेट-दिल्ली, माता गृहिणी, भाई एडवोकेट, वरीयता-सरकारी नौकरी/वेल एजूकेटेड, गोत्र-छिल्लर, पवार, सोलंकी, 9599321981

17161 दिल्ली, अप्रैल 1994/5'5",बीएससी नर्सिंग-अंबाला(2015), नर्सिंग आफिसर (कैप्टन एमएनएस)-मिलिट्री हास्पिटल फैजाबाद उ.प्र., पिता रिटा. -सरकारी नौकरी, माता गृहिणी, दो भाई, वरीयता-आर्मी आफिसर/नैवी या एयरफोर्स में समकक्ष, गोत्र-बेनीवाल, मलिक, चाहर, 9811295012

17162 दिल्ली, जुलाई 1994/5'6", एमकाम, नेट, फ्लाइंग आफिसर (अकाउंट आफिसर)-एयरफोर्स (जैसलमेर राजस्थान), 11 लाख वार्षिक, पिता एवं छोटा भाई का दिल्ली में सफल व्यवसाय, माता गृहिणी, वरीयता-प्रथम श्रेणी अधिकारी-आईएएस/आईपीएस/दिल्ली/एनसीआर निवासी, गोत्र-सांगवान, जाखड, झांझरिया, 9312239166, 9873980815, sunilsangwan532@yahoo.com

17165 सोनीपत/हरियाणा, सितंबर 1993/5'5", बीएससी (नान मेडिकल), एमएससी-केमिस्ट्री, बीएड, सीटेट, टीजीटी 2020, कार्यरत शिक्षण, पिता रिटा. सब इंस्पेक्टर-हरियाणा पुलिस, माता गृहिणी, दो भाई (एक विवाहित-कार्यरत हरियाणा पुलिस), गोत्र-दहिया, मान, धौंचक, 9518188640, balwandahiya1958@gmail.com

17167 दिल्ली, अगस्त 1994/5'6", एमबीए, बीटेक, डिप्लोमा इन इलेक्ट्रानिक्स, सर्विसेज इंजीनियर-मेड इक्वीपमेंट सर्विस इन SNRC डिविजन (फिलिप्स आथोराइज्ड सर्विस), माता-पिता, दो छोटे भाई, वरीयता-अच्छी फेमिली/अच्छी नौकरी/सुंदर, गोत्र-खत्रो, कुंडू, भनवाला, 9716623156, 9210371640, monikhatri94@gmail.com

17171 दिल्ली/राजस्थान, मार्च 1999/5'3.5", बैचलर इन फैशन डिजाइन, मास्टर डिग्री इन फैशन डिजाईनर शिक्षारत एवं IMAGE, पिता-टायर शोरूम, माता टीचर-प्राईवेट स्कूल (अपना), बडा भाई एलएलबी-कार्यरत दिल्ली हाईकोर्ट, छोटा भाई-बीबीए (प्रथम वर्ष), वरीयता-वेल एजूकेटेड फेमिली/बिजनेस/समकक्ष नौकरी, गोत्र-बागडिया, सांगवान, गोदारा, लोचिब, 9667920819, 8510025151, 9250906162

17174 दिल्ली, 30/5'6", एमए-ईकोनोमिक्स, बीएड-मैथ, सीटेट 1 व 2 दोनो क्लीयर, कार्यरत टाप एजूकेटर-अनएकेडमी (आनलाईन लर्निंग एप्प), 22.6 लाख वार्षिक, पिता (माता स्वर्गवासी), केवल एक भाई-आयरलैंड सेटल्ड, वरीयता-सरकारी नौकरी/बिजनेसमैन/दिल्ली या हरियाणा निवासी, गोत्र-सहरावत, श्योराण, चहल, 7053669600, 9210921596, dimpysinghsehrawat212@gmail.com

17176 दादरी-हरियाणा, 30/5'6", एमए-संस्कृत, बीएड, नेट, जेआरएफ, एमफिल, पीएचडी शिक्षारत, जेआरएफ फेलोशिप-43 हजार मासिक, पिता किसान, माता गृहिणी, एक भाई-वायुसेना में, दूसरा भाई कार्यरत एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा, वरीयता-हरियाणा/दिल्ली/सरकारी नौकरी, गोत्र-सांगवान, जाटयाण, हलवान, 9306979935, manjeetsangwan275@gmail.com

17177 गुरुग्राम, दिसंबर 1988/5'5", स्कूलिंग डीपीएस, बीटेक-एमडीयू, एमबीए-NIILM, टीम लीडर-RBS गुरुग्राम, 7 लाख वार्षिक, पिता रिटा. मारुति, माता गृहिणी, बहन विवाहित-कार्यरत टीसीएस, भाई सब जानल मैनेजर-शैडोफैक्स, वरीयता-उच्च शिक्षित/सरकारी नौकरी/अच्छी एमएनसी /अपना बिजनेस, गोत्र-डागर, लाकडा, पिंघाल, 9899267263

17180 दिल्ली, अगस्त 1990/5'4", बीटेक, सब इंस्पेक्टर-दिल्ली पुलिस, 8 लाख वार्षिक, पिता डाक्टर, माता गृहिणी, बहन टीचर, भाई सरकारी नौकरी की तैयारी, वरीयता-समकक्ष/सरकारी या एमएनसी नौकरी/वेल सेटल्ड, गोत्र-डबास, राणा, 9211072170

Beauty of summer

RNI NO. :28589/75
DL (W)10 / 2080 / 2021 – 2023
No. U (E) 15 / 2021 - 2023
Date of publication 18 – 19 May 2021
Date of posting : 20-21 May 2021

May 2021

स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह

पूर्व केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार